घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 105- शनिवार 14- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

प्रधानमंत्री कार्यालय की नई इमारत 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन....

स्वतंत्र भारत की स्वतंत्र पहचान,गुलामी से मुक्त निशान : पीएम मोदी

नई दिल्ली,13 फरवरी 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सेवा तीर्थ परिसर से कर्तव्य भवन 1 और 2 का उद्घाटन किया। इसके साथ ही सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। इससे पहले पीएम मोदी ने शुक्रवार सुबह 'सेवा तीर्थ' कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया था। यह नया भवन प्रधानमंत्री कार्यालय,राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय का केंद्र बन गया है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि अब उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन किया जाएगा।

नाम बदलना नहीं सोच बदलना जरूरी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजादी के बाद भी कई जगहों पर पुराने नाम और प्रतीक बने रहे, जैसे पीएम आवास वाली सड़क जिसे पहले रेस कोर्स रोड कहा जाता था,अब इसे लोक कल्याण मार्ग नाम दिया गया। इसी तरह शहीद सैनिकों के सम्मान में नेशनल वॉर मेमोरियल का निर्माण किया गया। पीएम मोदी ने बताया कि इन बदलावों का उद्देश्य सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि देश की सोच और दृष्टिकोण को बदलना है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय भारत के अतीत,वर्तमान और भविष्य को गर्व के साथ जोड़ने का प्रयास है। जहां पहले राजपथ आम लोगों के लिए सीमित सुविधाओं वाला था, अब कर्तव्य पथ पर नागरिकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं। राष्ट्रपति भवन परिसर में भी बदलाव करते हुए मुगल गार्डन का नाम बदलकर अमृत उद्यान रखा गया और पुरानी संसद को नई पहचान देकर संविधान सदन कहा गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परिवर्तन सिर्फ नामों का बदलाव नहीं, बल्कि आजाद भारत की नई, स्वतंत्र और नागरिक-केंद्रित पहचान बनाने का प्रयास है। पीएम ने कहा कि विकसित भारत 2047 सिर्फ हमारा लक्ष्य नहीं, बल्कि दुनिया के सामने भारत का वादा है। इसलिए यहां बनने वाली हर नीति और हर फैसला सेवा की भावना से जुड़ा होना चाहिए। पीएम ने कहा कि जब आप रिटायर होकर पीछे मुड़कर देखें,तो गर्व के साथ कह सकें कि आपने सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन में रहते हुए देश की सच्ची सेवा की।

सेवा तीर्थ सिर्फ नाम नहीं,बल्कि सेवा और जिम्मेदारी का प्रतीक : मोदी

पीएम मोदी बोले 'सेवा तीर्थ सिर्फ एक नाम नहीं है,बल्कि सेवा का संकल्प है। यह ऐसा स्थान है जो जनता की सेवा से पवित्र बनता है और देश को आगे बढ़ाने में योगदान देता है।' पीएम मोदी ने कहा कि लक्ष्य है करोड़ों लोगों को गरीबी और गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना, और यह केवल सेवा के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने बताया कि जब भारत दुनिया में नए रिश्ते और व्यापार समझौते कर रहा है,तब सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन में होने वाला काम देश के विकास में बड़ा योगदान देगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यहां लिए गए फैसले हमेशा जनता के सपनों और जरूरतों को ध्यान में रखकर होने चाहिए,क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि पिछले वर्षों में शासन का केंद्र नागरिक बन चुका है। इस भवन में लिया गया हर फैसला 140 करोड़ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

राहुल गांधी किसान संगठनों के नेताओं से मिले

बोले...किसान हितों से समझौता नहीं,भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ आंदोलन पर बातचीत हुई

नई दिल्ली,13 फरवरी 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में देशभर के किसान संगठनों के नेताओं से मुलाकात की। इस बैठक में भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने और किसानों व खेत मजदूरों की रोजी-रोटी बचाने की जरूरत पर बात हुई। किसान नेताओं ने इस व्यापार समझौते का विरोध किया। उनका कहना था कि समझौते से मक्का,सोयाबीन,कपास,फल और मेवे उगाने वाले किसानों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा। कांग्रेस के अनुसार,राहुल गांधी ने कहा कि इस समझौते से कृषि उत्पादों के आयात का रास्ता खुल गया है। आगे अन्य फसलें भी इससे प्रभावित हो सकती हैं।

बातचीत में ये संगठन मौजूद रहे

राहुल गांधी से मिलने वालों में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के प्रमुख सुखपाल एस खैरा,हरियाणा के भारतीय किसान मजदूर यूनियन के अशोक बलहारा,बीकेयू क्रांतिकारी के बलदेव एस जीरा, प्रोग्रेसिव फार्मर्स फ्रंट के आर. नंदकुमार,बीकेयू शहीद भगत सिंह के अमरजीत एस मोह्री,किसान मजदूर मोर्चा-इंडिया के गुरमनीत एस मंगत और जम्मू-कश्मीर जमीदारा फोरम के हमीद मलिक सहित कई अन्य नेता शामिल थे। यह बैठक उस बयान के एक दिन बाद हुई,जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि सरकार उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करे, केस करे या विशेषाधिकार प्रस्ताव लाए,लेकिन वे किसानों के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के जरिए वे देश को बेच रहे हैं और किसान विरोधी हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी कर सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा व्यापार समझौता जो किसानों की रोजी-रोटी छीन ले या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे,वह किसान विरोधी है।

यूपी में एक करोड़ महिलाओं की पेंशन बढ़ेगी

योगी बोले...जो वंदे मातरम नहीं गाए,उसे कान पकड़कर बाहर करो

लखनऊ,13 फरवरी 2026। राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए सीएम योगी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम 1.06 करोड़ निराश्रित महिलाओं को पेंशन दे रहे हैं। अभी उन्हें 12 हजार सलाना मिलता है। जल्द ही हम इसे बढ़ाने वाले हैं। परसों (15 फरवरी) इसका ऐलान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना कर देंगे। इससे पहले सीएम ने वंदे मातरम का जिक्र किया। कहा- सपा और कांग्रेस के सांसदों ने वंदे मातरम का विरोधा किया। लेकिन वंदे मातरम का अपमान कोई नहीं कर सकता। ये हिंदुस्तान की खाएंगे, लेकिन वंदे मातरम नहीं गाएंगे। ऐसे लोगों को यहां रहने का अधिकार नहीं है। जो इसका विरोध करता है, उसका कान पकड़कर बाहर करना चाहिए। इससे पहले सीएम ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से कहा- आप उचित बात करते हैं, लेकिन पता नहीं क्यों आपके और संजय निषाद के बीच रंजिश चल रही है। ऐसा लगता है कि आपकी भी पोखरी यानी तालाब का संजय निषाद पट्टा कराकर आ गए हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को चुनाव आयोग ने दिल्ली तलब किया

कोलकाता,13 फरवरी 2026। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को निर्वाचन आयोग ने तलब किया है। आयोग सूत्रों के अनुसार,एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के मामले में चार अधिकारियों के खिलाफ अबतक कार्रवाई क्यों नहीं की गई,इस संबंध में स्पष्टीकरण के लिए मुख्य सचिव को बुलाया गया है। निर्वाचन आयोग ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के मोयना और दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में कथित रूप से अवैध तरीके से मतदाता सूची में नाम जोड़ने के आरोपों के आधार पर संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। जिन चार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही गई थी,उनके नाम तथागत मंडल, देवोत्तम दत्तचौधरी,बिप्लब सरकार और सुदीप्त दास हैं।

लोकसभा में 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगे

संसद की कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित,बीजेपी बोली...राहुल सत्ता पाने को देश का बंटवारा चाहते थे

नई दिल्ली,13 फरवरी 2026। बजट सत्र के 13वें दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन नहीं चल पाई। लोकसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल पाई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही दो घंटे तक चल पाई। अब दोनों सदनों की कार्यवाही 9 मार्च से शुरू होगी। शुक्रवार को सुबह 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके 5 मिनट बाद ही सदन स्थगित कर दी गई। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बार हंगामे के बीच एजुकेशन और कानून मंत्रालय से जुड़े कुछ बिल पेश किए। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। संसद का बजट सत्र दो चरण में हो रहा है। पहला- 28 जनवरी से 13 फरवरी तक है। दूसरा चरण 23 दिन के ब्रेक के बाद 9 मार्च से शुरू होगा,जो 2 अप्रैल तक चलेगा।

राजीव शुक्ला ने पूछा...एमएसपी को लीगल कब बनाएंगे...

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि पंजाब में किसान परेशान हैं। मंत्रीजी बताएं कि एमएसपी को लीगल कब बनाएंगे, इसका सीधा जवाब दें। इस पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा- हमने लागत में 50 फीसदी लाभ जोड़कर एमएसपी तय की है। इनकी सरकार में ऐसा कुछ नहीं था। अब किसान फायदे में हैं। इसलिए खुश भी हैं।

शिवराज सिंह ने दिग्विजय सिंह को कहा...धन्यवाद

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के सीहोर,रायसेन और नर्मदापुरम में मूंग की फसल के सवाल के जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- मैं मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्हें मेरे संसदीय क्षेत्र की इतनी चिंता है। सीहोर, रायसेन और हरदा में मूंग की भरपूर पैदावार हो रही है। इसलिए उसके लिए अलग से क्लस्टर की जरूरत नहीं है। मूंग की फसल की वृद्धि के प्रयास हमारी सरकार ने ही किए थे और आज भी हम कर रहे हैं।

आरजेडी सांसदों का प्रदर्शन,पीएम मोदी-नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग

राष्ट्रीय जनता दल के सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग की और केंद्र से आरक्षण नीति में राजनीतिक अल्पसंख्यकों और ओबीसी के लिए कोटा बढ़ाने का आग्रह किया। प्रदर्शनकारी अनुसूचित जातियों,अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों,और अत्यंत पिछड़े वर्गों के लिए 65% आरक्षण की मांग कर रहे हैं और इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में रखने की मांग कर रहे हैं।

रिजिजू बोले...कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर हम राहुल को नोटिस देना चाहते थे

किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार ने मोशन लाने का फैसला किया था। राहुल गांधी ने नियमों को तोड़ा और एक अनपब्लिश्ड किताब का गैर-कानूनी तरीके से जिक्र किया। उन्होंने अपने बजट भाषण में भी कई बातें कहीं-'देश बिक गया' और पीएम के लिए दूसरी बकवास बातें। कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर हम उन्हें नोटिस देना चाहते थे।

किसानों के लिए खुशखबरी...सरकार ने 25 लाख टन गेहूं और पांच लाख टन चीनी के निर्यात को दी मंजूरी

नई दिल्ली,13 फरवरी 2026। घरेलू बाजार में बंपर पैदावार और गोदामों में भरे सरप्लस स्टॉक को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने शुक्रवार को 25 लाख टन गेहूं और 5 लाख टन चीनी के निर्यात को मंजूरी दे दी है। इस फैसले का सीधा मकसद घरेलू कीमतों में स्थिरता लाना और रबी सीजन की नई फसल आने से पहले किसानों को उनकी उपज का सही दाम दिलाना है। खाद्य मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक,गेहूं के अलावा 5 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात की भी अनुमति दी गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब निजी और सरकारी,दोनों ही स्तरों पर देश में अनाज का भंडार आरामदायक स्थिति में है।

निजी क्षेत्र के पास स्टॉक : वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निजी कंपनियों और व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं का स्टॉक मौजूद है। यह पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में करीब 32 लाख टन ज्यादा है।

एफसीआई की स्थिति : भारतीय खाद्य निगम के पास 1 अप्रैल, 2026 तक केंद्रीय पूल में लगभग 182 लाख टन गेहूं उपलब्ध होने का अनुमान है। यह आंकड़ा यह सुनिश्चित करने के लिए काफी है कि निर्यात की अनुमति देने से देश की खाद्य सुरक्षा पर कोई आंच नहीं आएगी।

बुवाई में बढ़ोतरी : रबी सीजन 2026 में गेहूं की बुवाई का रकबा बढ़कर 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल 328.04 लाख हेक्टेयर था। यह दर्शाता है कि किसानों ने एमएसपी और सरकारी खरीद पर भरोसा जताते हुए जमकर बुवाई की है और इस बार भी बंपर पैदावार की उम्मीद है।

चीनी मिलों को नई राहत

गेहूं के साथ-साथ सरकार ने चीनी उद्योग को भी राहत दी है। चीनी सत्र 2025-26 के लिए 'इच्छुक' चीनी मिलों को अतिरिक्त 5 लाख टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी गई है।

पिछला ट्रेक रिकॉर्ड

इससे पहले 14 नवंबर, 2025 को सरकार ने 15 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। हालांकि, मिलों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 31 जनवरी, 2026 तक केवल 1.97 लाख टन चीनी का ही निर्यात हो पाया है।

संसद में राहुल गांधी का आचरण अमर्यादित,निंदनीय : भाजपा

नई दिल्ली,13 फरवरी 2026। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के लोकसभा में आचरण को बेहद निंदनीय और अमर्यादित बताया है।भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि संसद के बजट सत्र में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं के आचरण से स्पष्ट है की वे संसद की मर्यादा, नियमावली को भी नहीं मानते। उन्होंने कहा कि राहुल के इशारे पर ही कांग्रेस की महिला सांसदों ने 'खुराफात' किया। राहुल जब भी विदेश जाते हैं तो भारत विरोधी काम करते हैं। विदेशों में राहुल का हमेशा से यही काम रहा है।प्रसाद ने कहा कि राहुल ने हमेशा ही सेना के मनोबल को कम करने का काम किया है। उन्होंने सेना को लेकर ऐसे-ऐसे बयान दिए हैं जिससे उनका मनोबल हमेशा कम हुआ है।

पूर्व सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे की किताब के मामले में भी उन्होंने झूठ बोला। जब प्रकाशक और लेखक ने खुद ही बयान दिया कि किताब छपी नहीं तो संदेह कहां रह जाता है, फिर भी राहुल झूठा नैरेटिव बनाते रहे। संसद के अंदर झूठ बोलना, लोकतंत्र को कमजोर करते देखना बेहद पीड़ादायक है।भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी हिन्दुस्तान को जरा भी नहीं समझते। आज कल उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर डर लगने लगा है। राहुल के साथ पंडित नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी भी संघ की आलोचना करते थे।

बांग्लादेश में 20 साल बाद बीएनपी की जीत

तारिक रहमान का पीएम बनना तय ममता बनर्जी ने भाई कहकर बधाई दी

ढाका,13 फरवरी 2026। बांग्लादेश में हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज की है। प्रथोम ओलो के मुताबिक बीएनपी+गठबंधन ने 299 सीटों में से 212 सीटें हासिल कर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया। अब तक 297 सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं। जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को अब तक 77 सीटें मिली हैं। देश में करीब 20 साल बाद बीएनपी की सरकार बनेगी। 2008 से 2024 तक वहां शेख हसीना की आवामी लीग सत्ता में थी। इस जीत के साथ बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है। तारिक ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की है। तारिक रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मेरे भाई तारिक, उनकी टीम और बाकी सभी को बधाई। बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष प्रधानमंत्री बनेगा। 1988 में काजी जफर अहमद प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 1991 से 2024 तक देश की राजनीति में पूर्व पीएम शेख हसीना और खालिदा जिया का दबदबा रहा। ये दोनों ही प्रधानमंत्री बनती रहीं। बांग्लादेश चुनाव में कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी बुरी तरह हारी है। उसके गठबंधन को सिर्फ 70 सीटें मिलीं हैं।

शराब समझकर जहरीला केमिकल पीया,4 की मौत

भीलवाड़ा,13 फरवरी 2026। राजस्थान के भीलवाड़ा में 5 लोगों ने शराब समझकर जहरीला केमिकल पी लिया। इनमें तीन महिलाओं सहित 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। जानकारी के अनुसार सभी मजदूर हैं और शादी वाले घर से शराब की बोतलें समझकर ये केमिकल ले आए थे। हादसा जिले के अलोली गांव में गुरुवार देर रात को हुआ।

अपने घर पर पीया केमिकल

आलोली निवासी हरदयाल सिंह ने बताया-10 फरवरी को परिवार में शादी थी। घर के बाहर खेत में पांडाल लगाया गया था। अगले दिन कुछ लोग खाने लेने घर आए और यहां साफ-सफाई की। बर्तन साफ करने के लिए केमिकल मंगवाया गया था। घर लौटते समय वे कई बोतलें अपने साथ ले गए। आशंका है कि 12 फरवरी की शाम को घर पर इनमें से कुछ लोगों ने ये केमिकल पी लिया था।

प्रत्येक नागरिक भारत के सतत एवं समग्र विकास में दे सकता है योगदान : राष्ट्रपति

नई दिल्ली,13 फरवरी 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक कर्मयोग के माध्यम से भारत के सतत और समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। राष्ट्रपति ने आज यहां ब्रह्माकुमारी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन किया तथा 'कर्मयोग द्वारा सशक्त भारत' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने गुरुग्राम स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर के रजत जयंती समारोह का भी शुभारंभ किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि संतुलित और समग्र विकास के लिए नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिकता का भौतिक प्रगति के साथ समन्वय आवश्यक है। आर्थिक प्रगति समृद्धि को बढ़ावा देती है और तकनीकी उन्नति नवाचार, दक्षता तथा प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है, जो एक समृद्ध राष्ट्र की नींव रखते हैं। किंतु नैतिकता के अभाव में आर्थिक और तकनीकी विकास सामाजिक असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने कहा कि अनैतिक आर्थिक प्रगति से संपत्ति और संसाधनों का केंद्रीकरण, पर्यावरणीय क्षति तथा कमजोर वर्गों का शोषण हो सकता है। इसी प्रकार, नैतिक मूल्यों के बिना प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवता के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता हमें मूलभूत मूल्य और नैतिक ढांचा प्रदान करती है,जो कर्मयोग अर्थात निःस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता है। आध्यात्मिकता सत्यनिष्ठा, करुणा, अहिंसा और सेवा जैसे गुणों पर बल देती है, जो शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए आवश्यक हैं।

जब हमारे विचार आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित होते हैं, तब हम स्वार्थ से ऊपर उठकर समस्त समाज के कल्याण के बारे में सोच पाते हैं।

संपादकीय

बच्चों को हिंसक बनाता डिजिटल संसार

गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों की आत्महत्या ने डिजिटल दुनिया के बच्चों पर पड़ रहे हिंसक प्रभाव को उजागर किया है। कोरियाई गेम और मीडिया की लत ने उन्हें वास्तविक जीवन से दूर कर दिया, जिससे स्कूल छूटा और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ा। यह घटना माता-पिता के लिए चेतावनी है कि बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाएं। विशेषज्ञों ने उम्र सत्यापन और सुरक्षित डिजिटल उपकरणों की सिफारिश की है, क्योंकि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों के विकास को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है...

पिछले दिनों गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों ने अपने आवास की नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। 12,14,16 साल की आयु अपने जीवन के सपनों को बुनने और उन्हें बड़े लक्ष्यों के साथ पूरा करने की होती है,मगर लगता है इस उम्र में समाज और परिवार की वास्तविक दुनिया को छोड़कर आभासी दुनिया,गेमिंग और डिजिटल मीडिया की गिरफ्त में आकर बचपन हिंसा की ओर मुड़ चला है। तीनों को कोरोना काल से ही कोरियाई लव गेम,कोरियाई ड्रामे,गाने और मूवी देखने की लत लग गई थी।

वे तीनों कोरियाई संस्कृति से इतनी प्रभावित थीं कि अपने नाम के साथ-साथ जीवनशैली को भी उसी संस्कृति के अनुरूप ढाल लिया था। टास्क-बेस्ड डिजिटल गेम्स ने इन लड़कियों को पहले किताबों से दूर किया,फिर उनकी वास्तविक दुनिया भी समाप्त कर डाली। कोरियाई गेम की लत के कारण ही उन्होंने स्कूल जाना बंद कर दिया। तीनों बहनों में एक बहन डेथ कमांडर की भूमिका निभाते हुए बाकी दोनों को टास्क पूरा कराने में भूमिका निभाती थी। तीनों लड़कियों के सुसाइड नोट से जुड़े शब्द आइ.एम.सारी पापा-मैं गेम नहीं छोड़ पा रही हूं,यही बताते हैं कि ये किशोरियां एक टास्क-बेस्ड डिजिटल गेम से जुड़ी पूर्व नियोजित योजना की शिकार थीं।

गाजियाबाद की घटना उन सभी के लिए एक चेतावनी है,जो अपने बच्चों पर भरोसा किए बैठे हैं कि उनका बच्चा बंद कमरे में मोबाइल चलाते हुए सुरक्षित है। इस घटना के बाद से कई माता-पिता अपने बच्चों को लेकर मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट बताते हैं कि टास्क-बेस्ड गेम में डिजिटल कंटेंट को नाबालिग वर्ग तक बड़ी चतुराई से पहुंचाया जाता है। सर्वेक्षण बताते हैं कि किशोर-किशोरियों के बीच कोरियाई, चीनी एवं जापानी कंटेंट को बिटक्वाइन मुद्रा का लालच देकर भी योजनाबद्ध तरीके से उन तक पहुंचाया जा रहा है। बीते दिनों संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण में भी कहा गया है कि इंटरनेट मीडिया और अन्य आनलाइन प्लेटफार्म्स पर बच्चों और किशोरों की बढ़ती निर्भरता उनकी पढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य के साथ उनके सामाजिक जीवन को भी बुरी तरीके से प्रभावित कर रही है।

इससे निपटने के लिए आनलाइन कंपनियों को उम्र सत्यापन के लिए जिम्मेदार बनाने और बच्चों के लिए सरल एवं सुरक्षित डिजिटल उपकरणों को बढ़ावा देने की सिफारिश की गई है। आस्ट्रेलिया और फिनलैंड में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया पर प्रतिबंध के लिए कानून लागू हैं। फ्रांस की नेशनल असेंबली में ऐसा कानून लाने पर सहमति बन चुकी है। ब्रिटेन, डेनमार्क और ग्रीस भी इससे जुड़ा कानून बनाने की तैयारी में हैं। भारत में एक अरब से अधिक इंटरनेट यूजर्स हैं। इनमें से 50 करोड़ से अधिक यूट्यूब, 40 करोड़ से अधिक फेसबुक तथा 48 करोड़ से अधिक इंस्टाग्राम यूजर हैं। इंटरनेट मीडिया के इन प्लेटफार्म्स पर 75 प्रतिशत से अधिक यूजर्स कम उम्र के हैं। इसके कारण उनमें नींद की कमी,कम एकाग्रता,घबराहट,अवसाद एवं आत्मविश्वास में कमी और साइबर बुलिंग के मामले भी सामने आ रहे हैं। इनके कारण बच्चों का शैक्षणिक प्रदर्शन भी लगातार प्रभावित हो रहा है।

परिवार के विखंडन के इस दौर में सबसे अधिक बचपन प्रभावित हुआ है। दादा-दादी, नाना-नानी के संरक्षण में कहानियां सुनने वाला बचपन अब कंप्यूटर, इंटरनेट,टीवी, वीडियो और मोबाइल गेम्स जैसे संचार माध्यमों के बीच की मशीनी दुनिया के साथ विकसित हो रहा है। बच्चों के इस मनो-शारीरिक विकास में दैहिक समाज नदारद है। आज आर्थिक दबावों के समक्ष माता-पिता को भी इतनी फुरसत नहीं है, जो बच्चे को यह बता सकें कि जीवन में उसके लिए चीजों को चयन करने की दिशा क्या होगी।

बच्चों को अपने सामने बिठा कर संस्कृति और सांस्कृतिक मूल्यों की सीख देने वाले परिवार और स्कूल भी उनसे दूर हो रहे हैं। बच्चों का बचपन मनोरंजन की दैहिक दुनिया से छिटककर संचार माध्यमों की दुनिया तक सिमट रहा है, जहां उनके मनपसंद कार्यक्रम चयन का अपना भरा-पूरा यांत्रिक संसार है। बच्चों के विवेक हरण एवं चेतना के दमन का कार्य करते हुए ये सभी साधन उनके जीवन को रोमांचक बना रहे हैं। इसी दौरान कभी-कभी टास्क बेस्ड रोमांच उन्हें आत्मघात की ओर भी ले जाता है।

इक्कीसवीं सदी में पारस्परिकता,वैयक्तिकता,प्रेम,बंधुत्व,मनुष्यता,सहानुभूति एवं मानवीय संवेदना जैसे मूल्यों का अभाव है। इससे सबसे अधिक बच्चों का बचपन ही प्रभावित हो रहा है। संचार माध्यमों ने इन बच्चों को भी उपभोक्ता बना कर रख दिया है। परिणामस्वरूप बच्चे भी इस बाजार की गलाकाट होड़ का हिस्सा बनते जा रहे हैं। बच्चों की इस पीढ़ी में सफलता प्राप्त करने की तीव्र इच्छा तो है,परंतु जीवन में असफलता की स्थिति में धैर्य एवं संयम का पूर्णतः अभाव है। डिजिटल मीडिया ने उनके ज्ञानात्मक पक्ष के विवेक को शून्य कर दिया है। बच्चों के जीवन का यह नूतन आयाम बहुत गंभीर चिंता का विषय है। बच्चों के जीवन से इस रोमांच के साथ-साथ स्क्रीन टाइम को कम करने के लिए आवश्यक है कि उनके एकाकीपन, तनाव, निराशा एवं कुंठा से जुड़ी चुनौतियों को उनकी रचनात्मक गतिविधियों में बदला जाए।

नशा एक भीषण महामारी,इसे जड़ से खत्म करना होगा

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

नशा मानव जीवन की उन कमजोरियों में से एक है, जिसने युगों-युगों से व्यक्ति, परिवार और समाज को भीतर से क्षीण किया है। यह केवल आधुनिक समय की समस्या नहीं है, बल्कि इसके बीज पौराणिक काल तक फैले हुए दिखाई देते हैं। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि भारतीय पौराणिक परंपरा ने नशे को कभी जीवन-मूल्य नहीं माना,बल्कि उसे पतन का कारण बताया और आत्मसंयम को श्रेष्ठ गुण के रूप में प्रतिष्ठित किया।

पौराणिक काल में नशे का उल्लेख प्रतीकात्मक और सीमित रूप में मिलता है। देवताओं और असुरों द्वारा समुद्र मंथन से प्राप्त 'सुरा' और 'सोम' का प्रसंग प्रसिद्ध है। किंतु यह समझना आवश्यक है कि सोम कोई सामान्य नशीला पेय नहीं था, बल्कि वह यज्ञीय और औषधीय प्रयोजनों से जुड़ा दिव्य तत्व था,जिसका प्रयोग केवल विशेष अवसरों पर और संयमित रूप में होता था। इसके विपरीत,जब सुरा का प्रयोग असंयम और भोग के लिए हुआ,तो उसका परिणाम विनाशकारी सिद्ध हुआ। पुराणों में असुरों का पतन अक्सर उनकी भोगवादी प्रवृत्ति और मद्यपान से जोड़ा गया है,जो यह संकेत देता है कि नशा विवेक और मर्यादा के क्षय का कारण बनता है।

महाभारत में यदुवंश का विनाश नशे के दुष्परिणामों का सबसे सशक्त उदाहरण है। द्वारका में यादवों के बीच मद्यपान से उत्पन्न उन्माद ने उन्हें आपस में ही विनाश की ओर धकेल दिया। यह प्रसंग स्पष्ट संदेश देता है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं,बल्कि पूरे वंश और समाज को नष्ट कर सकता है। रामायण में भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन पूर्ण संयम और आत्मनियंत्रण का आदर्श है। वहाँ नशा कहीं भी आदर्श जीवन का अंग नहीं बनता, बल्कि त्याग,तप और संयम को ही श्रेष्ठ माना गया है।

बौद्ध और जैन परंपराओं ने तो नशे के विरुद्ध और भी स्पष्ट रुख अपनाया। भगवान बुद्ध के पंचशील में नशा न करने की प्रतिज्ञा आत्मिक जागरण की अनिवार्य शर्त है। महावीर स्वामी ने इंद्रिय संयम को मोक्ष का द्वार बताया। इन सभी परंपराओं का मूल संदेश यही है कि नशा मनुष्य को उसके लक्ष्य से भटका देता है और आत्मविकास के मार्ग में बाधा बनता है।

आज के समय में नशे की समस्या कहीं अधिक विकराल रूप ले चुकी है। शराब,तंबाकू,गुटखा,अफीम और सिंथेटिक ड्रग्स ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया है, विशेषकर युवा पीढ़ी को। नशा आज केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं,बल्कि संगठित अपराध, बेरोजगारी,पारिवारिक विघटन और मानसिक रोगों का कारण बन चुका है। इसका प्रभाव राष्ट्र की उत्पादकता और सामाजिक ताने-बाने पर भी पड़ता है। नशे के विरुद्ध प्रभावी संघर्ष के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। सबसे पहले, सामाजिक चेतना का निर्माण करना होगा। पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया जा सकता है कि नशा सदैव पतन का कारण रहा है। शिक्षा संस्थानों में नैतिक शिक्षा,योग,ध्यान और जीवन-कौशल को अनिवार्य किया जाना चाहिए,ताकि युवा तनाव से निपटने के लिए नशे का सहारा न लें।

दूसरे,परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। संवादहीनता और भावनात्मक रिक्तता नशे की ओर पहला कदम होती है। यदि परिवार बच्चों को समय, स्नेह और सही मार्गदर्शन दे, तो नशे की संभावना स्वतः कम हो जाती है। तीसरे, शासन और समाज को मिलकर नशे के व्यापार पर कठोर नियंत्रण करना होगा। केवल कानून नहीं, बल्कि पुनर्वास और परामर्श केंद्रों का विस्तार भी आवश्यक है, ताकि नशे में फँसे व्यक्ति को अपराधी नहीं, रोगी समझकर उपचार दिया जा सके।

अंततः,नशे के विरुद्ध संघर्ष एक निरंतर अभियान है, न कि एक बार का कार्यक्रम। पौराणिक काल से लेकर आज तक का अनुभव यही सिखाता है कि जहाँ संयम,विवेक और मूल्य रहे, वहाँ समाज फला-फूला; और जहाँ नशा जीवन-शैली बना,वहाँ विनाश अवश्यंभावी हुआ। आज आवश्यकता है कि हम अपने सांस्कृतिक मूल्यों की ओर लौटते हुए नशा-मुक्त, स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना होगा।

दाढ़ी पर नहीं,सोच पर बहस ज़रूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

फैशन,पहचान और भ्रमः आज के युवाओं के सामने असली चुनौती

हर दौर की अपनी पहचान होती है। यह पहचान केवल कपड़ों,हेयर-स्टाइल या चेहरे पर उगे बालों से नहीं बनती,बल्कि उस सोच से बनती है जो व्यक्ति और समाज–दोनों को दिशा देती है। आज के समय में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे कैसे दिखते हैं यह कम, और क्या सोचते हैं तथा किसका अनुकरण करते हैं–यह अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। बाहरी आकर्षण, सोशल मीडिया की चमक और तात्कालिक लोकप्रियता ने पहचान की परिभाषा को सतही बना दिया है।

बीते कुछ वर्षों में दाढ़ी को लेकर एक तीखी बहस उभरी है। कुछ लोग इसे आधुनिक फैशन का प्रतीक मानते हैं, तो कुछ इसे सांस्कृतिक भ्रम और अंधानुकरण का उदाहरण। यह बहस तब और जटिल हो जाती है जब इसे धर्म, राजनीति या साज़िश से जोड़ दिया जाता है। ऐसे में ज़रूरी है कि हम भावनाओं से ऊपर उठकर, शोर से दूर रहकर, विवेकपूर्ण और तथ्यपरक दृष्टि से इस विषय को देखें। क्योंकि जब मुद्दे विचार के बजाय पहचान की लड़ाई बन जाते हैं,तब समाधान नहीं,विभाजन पैदा होता है।

इतिहास गवाह है कि दाढ़ी और क्लीन शेव–दोनों ही भारतीय समाज का हिस्सा रहे हैं। वैदिक काल के ऋषि-मुनि जटाधारी थे,तो राजदरबारों में सुसज्जित, साफ़-सुथरे व्यक्तित्व भी दिखाई देते थे। मध्यकाल हो या आधुनिक काल–हर युग में दोनों प्रकार के रूप साथ-साथ मौजूद रहे। स्वतंत्रता संग्राम के समय महात्मा गांधी,सुभाषचंद्र बोस,भगत सिंह, पंडित नेहरू–सभी का रूप अलग था,पर उद्देश्य एक। स्पष्ट है कि दाढ़ी कोई नई या बाहरी चीज़ नहीं है, और न ही क्लीन शेव कोई विदेशी अवधारणा। दोनों ही समय,परिस्थिति और व्यक्तिगत पसंद के अनुसार बदलते रहे हैं।

आज दाढ़ी का चलन केवल भारत तक सीमित नहीं है। यह एक वैश्विक फैशन का हिस्सा बन चुका है। हॉलीवुड, यूरोपीय फैशन,खेल जगत,संगीत उद्योग और डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स–हर जगह दाढ़ी अलग-अलग शैलियों में दिखाई देती है। सोशल मीडिया ने इन रुझानों को और तेज़ कर दिया है। एक तस्वीर, एक वीडियो या एक रील के ज़रिये ट्रेंड पल भर में दुनिया भर में फैल जाते हैं। ऐसे में यह मान लेना कि कोई एक उद्योग, समूह या विचारधारा ही किसी फैशन को फैला रही है,वास्तविकता का सरलीकरण होगा।

लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अंधानुकरण एक गंभीर समस्या बन चुका है। जब युवा किसी भी ट्रेंड को बिना सोचे-समझे केवल इसलिए अपनाते हैं क्योंकि वह लोकप्रिय है या कूल माना जा रहा है,तब उनका व्यक्तित्व उधार का हो जाता है। फैशन तब समस्या बनता है जब वह सोच पर हावी हो जाए और पहचान को केवल बाहरी प्रतीकों तक सीमित कर दे। सवाल दाढ़ी रखने या न रखने का नहीं है,सवाल यह है कि क्या हम अपने चुनाव के कारण जानते हैं,या सिर्फ़ भीड़ के साथ चल रहे हैं?

इस संदर्भ में सिनेमा और डिजिटल मीडिया की भूमिका पर चर्चा ज़रूरी है। मनोरंजन उद्योग न केवल कहानियाँ सुनाता है, बल्कि जीवन-शैली के मानक भी गढ़ता है। बार-बार एक ही तरह के लुक, स्टाइल और हीरोइज़्म को आदर्श बनाकर प्रस्तुत करने से युवाओं के सामने विकल्प सीमित हो जाते हैं। इससे विविधता कम होती है और एकरूपता बढ़ती है। जिम्मेदार मीडिया वही है जो समाज की बहुलता को दिखाए–जहाँ सादगी भी आकर्षक हो, और अलग-अलग व्यक्तित्व भी स्वीकार्य हों। लेकिन दर्शक के रूप में हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम दिखावे और मूल्य में अंतर करना सीखें। ईश्वर,संस्कृति और सौंदर्य की चर्चा में भी संतुलन आवश्यक है। हमारी परंपराएँ अत्यंत विविध रही हैं। कहीं जटाधारी तपस्वी हैं, तो कहीं सुसज्जित देव-प्रतिमाएँ,कहीं वैराग्य है, तो कहीं श्रृंगार। सौंदर्य का अर्थ केवल बाहरी रूप नहीं,बल्कि आचरण, करुणा, संयम और विवेक है। यदि हम सौंदर्य को केवल चेहरे,दाढ़ी या फैशन तक सीमित कर दें,तो हम अपनी ही सांस्कृतिक गहराई को कम कर देते हैं।

आज के युवाओं के सामने असली खतरा किसी एक फैशन से नहीं,बल्कि आत्मबोध की कमी से है। जब युवा अपने इतिहास,मूल्यों और सांस्कृतिक बहुलता को समझते हैं, तब वे किसी भी ट्रेंड को अपनाएँ–या न अपनाएँ–वह उनका सजग और स्वतंत्र निर्णय होता है। लेकिन जब पहचान केवल बाहरी प्रतीकों पर टिक जाती है,तब भ्रम पैदा होता है और व्यक्ति आसानी से प्रभावित हो जाता है।

समाधान डर,आरोप या साज़िश की भाषा में नहीं है। समाधान शिक्षा, संवाद और आत्मविश्वास में है। युवाओं को यह समझाना ज़रूरी है कि फैशन क्षणिक होता है, लेकिन चरित्र स्थायी। आज जो ट्रेंड है, कल बदल जाएगा,पर जो मूल्य आप अपनाते हैं, वही जीवन भर साथ रहते हैं। इसलिए चयन सोच-समझकर होना चाहिए–न दबाव में, न डर में, और न ही अंधानुकरण में।

समाज को विभाजन की भाषा से भी सावधान रहना चाहिए। जब हम किसी चलन को डर या साज़िश के चश्मे से देखते हैं,तो संवाद बंद हो जाता है और ध्रुवीकरण बढ़ता है। इसके विपरीत, जब हम प्रश्न पूछते हैं–क्यों?, कैसे? और किस हद तक?–तब समझ विकसित होती है। स्वस्थ समाज वही है जो असहमति को जगह देता है,लेकिन सम्मान और तथ्य के साथ।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को आलोचनात्मक सोच सिखाएँ–ताकि वे हर ट्रेंड को आँख बंद करके न अपनाएँ। उन्हें अपने शरीर, समय और पहचान पर अधिकार का बोध हो। फैशन अपनाना गलत नहीं; गलत है फैशन के पीछे खुद को खो देना। व्यक्तित्व की असली सुंदरता बाहरी सजावट में नहीं,बल्कि आत्मविश्वास और विवेक में होती है।

अंततः,यह बहस दाढ़ी की नहीं, दिशा की है। हम अपनी पहचान किस पर बना रहे हैं–दिखावे पर या विचार पर? यदि हम युवाओं को शिक्षा,अवसर और आत्मसम्मान देंगे,तो वे किसी भी फैशन में सुरक्षित रहेंगे–क्योंकि उनकी जड़ें मज़बूत होंगी। समाज का भविष्य बाहरी रूपों से नहीं,सोच की मजबूती से तय होता है। और वही सोच हमें यह सिखाती है कि ट्रेंड आते-जाते रहते हैं,लेकिन मूल्य वही होते हैं जो समय की कसौटी पर टिकते हैं।

कविता

परीक्षा की घड़ी

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

परीक्षा की घड़ी आई।
सोचो बच्चों करो पढ़ाई।।

सुबह-सुबह उठकर पढ़ना।
मन को बिल्कुल नहीं टालना।।

किताब हमारी सच्ची दोस्त।
ज्ञान दिलाए हर दिन रोज़।।

डर को दूर भगाओ अब।
हिम्मत से तुम लिखना सब।।

मेहनत से जो आगे बढ़ता।
सपनों का सूरज वही चढ़ता।।

माँ-पापा का मान बढ़ाओ।
शिक्षक जी को गर्व दिलाओ।।

आज जो मन से पढ़ जाए।
कल मुस्कान खुद आए।।

परीक्षा की घड़ी आई।
सोचो बच्चों करो पढ़ाई।।

अनुशासन को अपनाएँ।
आत्मविश्वास को गले लगाएँ।।

गिरें अगर तो डर न जाएँ।
फिर से आगे बढ़ते जाएँ।।

आज की मेहनत रंग लाए।
कल का भविष्य रच जाए।।

सपनों को सच कर जाएँ।
पूरी लगन से पढ़ जाएँ।।

सिर्फ प्यार नहीं...सम्मान भी...

सुधा सिंह
अम्बिकापुर,सरगुजा

वैलेंटाइन डे पर युवाओं के लिए संदेश...

आज 14 फरवरी को पूरी दुनिया में वैलेंटाईन डे मनाया जा रहा है यह दिन केवल प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए ही नहीं बल्कि,हर उसे रिश्ते के लिए खास है,जिसमें स्नेह,विश्वास और सम्मान हो प्रिय युवा साथियों,प्रेम जीवन की सबसे सुंदर और पवित्र भावना है यह केवल आकर्षक और दिखावे का नाम नहीं,बल्कि समझदारी जिम्मेदारी और समर्पण का दूसरा नाम है। आज की दौड़ में सोशल मीडिया,ट्रेंड और बाहरी चमक दमक के बीच सच्चे प्रेम की पहचान करना थोड़ा कठिन हो गया है लेकिन याद रखिए सच्चा प्रेम वही है जो आपको समझे,आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा दें,आपकी सपनों को उड़ान दे,आपकी भावनाओं की कद्र करें,और आपका सम्मान करें,आपके व्यक्तित्व को निखारे और आपका ख्याल रखें.....वैलेंटाइन डे पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि-हम अपने माता-पिता, गुरुजनों और मित्रो के प्रति भी आभार व्यक्त करें।

* किसी भी रिश्ते में सम्मान और मर्यादा को सर्वोपरि रखें। प्रेम को जिम्मेदारी के साथ निभाए,ना केवल एक दिन के उत्सव की तरह सिमित रखें।अपने करियर शिक्षा और लक्ष्य को प्राथमिकता देते हुए संतुलित जीवन जिएँ।आज की युवा पीढ़ी देश का भविष्य है यदि आपके रिश्ते मजबूत विचार सकारात्मक और लक्ष्य स्पष्ट होंगे, तो समाज भी मजबूत बनेगा। प्रेम को शक्ति बनाइये कमजोरी नहीं।

आईये,इस वैलेंटाइन डे पर हम सच्चे प्रेम,आपसी सम्मान और उज्जवल भविष्य का संदेश फैलाएं। प्रेम वह नहीं है जिसमें कोई बंध जाए,प्रेम तो वह है जिसमे हम रम जाय और बेहतर से बेहतर इंसान बने...ना कागज थी,ना कलम था,ना फोन था, प्रेम तब भी था। पवित्र और मौन था...

सुप्रीमकोर्ट की रेरा को सही फटकार

नरेंद्र सांवरिया

सबवेंशन स्कीम के तहत किसी परियोजना के तहत स्वीकृत राशि सीधे बिल्डरों के खातों में भेजी जाती थी। उन्हें घर खरीदारों को फ्लैट सौंपने तक ईएमआइ का भुगतान करना होता था, लेकिन कई मामलों में बिल्डरों ने फ्लैट तैयार किए बिना ईएमआइ का भुगतान बंद कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण अर्थात रेरा को जो कड़ी फटकार लगाई, उसके लिए वही उत्तरदायी है। इस प्राधिकरण का गठन जिन उम्मीदों के साथ किया गया था, वह उन पर खरा नहीं उतर पा रहा है। रेरा की लचर कार्यप्रणाली के चलते न जाने कितने लोग अदालतों का दरवाजा खटखटाने के लिए बाध्य होते हैं और सब जानते हैं कि वहां से न्याय मिलने में समय लगता है।

रेरा की निराशाजनक कार्यप्रणाली को इससे समझा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट को यह कहना पड़ा कि उसे बंद करना ही बेहतर है। उसने यह कठोर टिप्पणी भी की कि वह दिवालिया बिल्डरों को राहत देने के अलावा और कुछ नहीं कर रहा है। इसका सीधा मतलब है कि वह फ्लैट खरीदारों के हितों की रक्षा करने के स्थान पर उन बिल्डरों की पक्षधरता करता है, जिन पर उसे निगाह रखनी चाहिए, ताकि वे अपने प्रोजेक्ट समय पर पूरा करें और उनमें मनमाने तरीके से बदलाव न कर सकें।

भले ही सुप्रीम कोर्ट ने रेरा के खिलाफ कठोर टिप्पणी हिमाचल प्रदेश के एक मामले में की हो, लेकिन उसका यह आकलन तो लगभग सभी राज्यों के रेरा पर लागू होता है कि जिन लोगों के हितों की रक्षा के लिए इसे बनाया गया था, वे निराश और हताश हैं और उन्हें कोई प्रभावी राहत नहीं मिल रही। संभवतः इसीलिए उसने यहां तक कहा कि यदि इस संस्था को समाप्त भी कर दिया जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि समय आ गया है कि सभी राज्य रेरा के नए सिरे से गठन पर विचार करें। इसमें संदेह है कि उसकी ओर से स्पष्ट निर्देश के बिना ऐसा हो सकेगा। उचित यह होगा कि केंद्र सरकार यह देखे कि सभी राज्यों के रेरा सही तरह काम करें, क्योंकि सबमें खामियां घर कर गई हैं। कई मामलों में यह देखने में आया है कि रेरा ने उन बिल्डरों का बचाव किया, जो फ्लैट खरीदारों से साफ तौर पर वादाखिलाफी कर रहे थे।

यदि रेरा के अस्तित्व में होने के बाद भी देश भर में लाखों प्रोजेक्ट अटके पड़े हैं तो इसका अर्थ है कि कहीं कुछ बड़ी गड़बड़ है। बहुत दिन नहीं हुए, जब सुप्रीम कोर्ट के समक्ष ही यह उजागर हुआ था कि दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में बिल्डरों ने बैंकों से मिलकर लाखों फ्लैट खरीदारों के साथ ठगी की। यह ठगी सबवेंशन स्कीम के जरिये की गई।

सबवेंशन स्कीम के तहत किसी परियोजना के तहत स्वीकृत राशि सीधे बिल्डरों के खातों में भेजी जाती थी। उन्हें घर खरीदारों को फ्लैट सौंपने तक ईएमआइ का भुगतान करना होता था, लेकिन कई मामलों में बिल्डरों ने फ्लैट तैयार किए बिना ईएमआइ का भुगतान बंद कर दिया। इस पर बैंक फ्लैट खरीदारों से शेष ईएमआइ की मांग करने लगे। इसे अन्याय और अंधेर के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता।

कविता

आहट

डॉ.राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

मेरे कदमों की आहट से
वर्तमान ठहर जाएगा और
भविष्य का चुपके से
आगमन होगा।
मेरे कदमों की आहट से
देवी शक्तियां मोहित होगी और
दुष्ट शक्तियों स्थानांतरण करेंगी।
मेरे कदमों की आहट से
जीवन में प्रकाश का उदय होगा
और अंधकार का विनाश होगा।
मेरे कदमों की आहट से
हृदय में ज्ञान का उजाला होगा
और अज्ञान का ध्वंस होगा।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

C M Y K

मुख्यमंत्री साय ने तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का किया शुभारंभ...

मैनपाट महोत्सव सरगुजा जिले की संस्कृति और अस्मिता को प्रदर्शित करने का माध्यम है : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मैनपाट में पर्यटन के विकास हेतु 1 करोड़ रुपए की घोषणा तथा सीतापुर में सर्व सुविधायुक्त बस स्टैंड के निर्माण किए जाने मुख्यमंत्री ने की घोषणा...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव में पहुंचकर महोत्सव का शुभारंभ किया। समारोह में उन्होंने सभी को मैनपाट महोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 2 वर्ष पहले मैनपाट महोत्सव में आना हुआ था,इस साल महोत्सव में बड़ा परिवर्तन दिख रहा है। समारोह में भव्यता दिख रही है,मैनपाट महोत्सव को आने वाले हर वर्ष मनाया जाएगा। सभी से चर्चा कर आयोजन के लिए एक तिथि निर्धारित करेंगे। 2 वर्ष पहले मैनपाट महोत्सव हेतु 50 लाख रुपए स्वीकृत किया गया था, आने वाले समय में समारोह की और भव्यता के लिए सरकार चिंता करेगी। सरगुजा की संस्कृति,अस्मिता को दिखाने का माध्यम यह समारोह है। आने वाले समय में यहां की संस्कृति से देश दुनिया परिचित होंगे। बाहर से आने वाले एवं स्थानीय कलाकारों को भी मंच मिलेगा और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मूलमंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। उनके विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हम लोग विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिए हैं। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से ज्यादा माताओं-बहनों के खाते में एक हजार हर महीने आता है, 15 हजार करोड़ से ज्यादा रुपए उनके खाते में जा चुका है। तेंदूपत्ता की कीमत 4 हजार से साढे पाँच हजार मानक बोरा कर दिया गया है। 5 हजार से ज्यादा लोग रामलला दर्शन का लाभ ले चुके हैं। धरती आबा उत्कर्ष योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री ने किया है। हमारा जो बस्तर क्षेत्र है,उसे धरती का स्वर्ग कह सकते है। बस्तर पिछले 40 साल से ज्यादा समय तक आंतकवाद का दंस झेल रहा था। आप लोगों ने देखा है कि 2 साल में यशस्वी प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के आशीर्वाद के कारण उनके दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण यह क्षेत्र नक्सवाद से मुक्त हो रहा है। मैं अपने प्रदेश के जवानों के साहस को नमन करता हूं। 75 प्रतिशत से ज्यादा नक्सलवाद का हिस्सा छत्तीसगढ़ में बचा था, सरकार नक्सलवाद को समाप्ति की ओर ले आई है। प्रधानमंत्री एवं माननीय गृह मंत्री जी का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करना है। इस बार पहली बार 43 गांव में गणतंत्र दिवस में राष्ट्रीय ध्वज फहराया है,हमारे छत्तीसगढ़ में नियद नेल्लानार के माध्यम से सुदूर 4 सौ से ज्यादा गांव विकास की ओर बढ़ रहा है। हम नई उद्योग नीति भी लाए हैं, इसकी सराहना पूरे देश-विदेश में हो रही है, नई उद्योग नीति को लांच हुए 1 वर्ष हुए हैं,8 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री साय ने मैनपाट में पर्यटन के विकास हेतु 1 करोड़ रुपए की घोषणा की तथा सीतापुर में सर्व सुविधायुक्त बस स्टैंड के निर्माण किए जाने की घोषणा गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का तिब्बती बंधुओं द्वारा तिब्बती संस्कृति पर आधारित 'ताशी शोपा' नृत्य के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर विकास हो रहा है। राज्य सरकार पर्यटन स्थलों के समग्र विकास, आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण और नई संभावनाओं के सृजन की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मैनपाट जैसे प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल पर पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। होम-स्टे, होटल व्यवसाय, स्थानीय हस्तशिल्प, परिवहन सेवाएं और खाद्य व्यवसाय से जुड़े लोगों की आय में वृद्धि हो रही है,जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश में पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार को विभिन्न विकास परियोजनाओं के प्रस्ताव भी भेजे गए हैं। इन प्रस्तावों के माध्यम से पर्यटन स्थलों के उन्नयन, सुविधाओं के विस्तार तथा रोजगार सृजन को और अधिक गति देने का प्रयास किया जा रहा है। सीतापुर विधायक राम कुमार टोप्पो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन केवल एक उत्सव का शुभारंभ नहीं,बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति,परंपराओं और प्रकृति के प्रति प्रेम का महोत्सव है। मैनपाट महोत्सव जन-गौरव का उत्सव है, जहां प्रकृति ने स्वयं इस धरती को अद्भुत सौंदर्य से सजाया है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर क्षेत्र को नई सौगातें दी गई हैं। इन कार्यों से स्थानीय व्यापारियों, युवाओं और ग्रामीणों को सीधा लाभ मिला है तथा क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिली है। विधायक टोप्पो ने क्षेत्रवासियों की ओर से मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विकास कार्य मैनपाट की प्रगति और समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैनपाट महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे विष्णु देव साय का वे समस्त क्षेत्रवासियों की ओर से हार्दिक अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री जी ने क्षेत्र के विकास हेतु 500 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी है। इन कार्यों से मैनपाट में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं,व्यापारियों और ग्रामीणों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित होंगे। विधायक मिंज ने आगे कहा कि इस तीन दिवसीय महोत्सव से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही क्षेत्र की संस्कृति को नई पहचान मिलेगी ।

कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी,पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल,सीतापुर विधायक राम कुमार टोप्पो, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति हरिमन्दर सिंह टिन्नी सहित नप्रतिनिधिगण, संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा,पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा, कलेक्टर अजीत वसंत,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल,डीएफओ अभिषेक जोगावत,जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल,अपर कलेक्टर सुनील नायक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो,स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी,आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने किया विभागीय स्टॉल का अवलोकन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मैनपाट महोत्सव में विभिन्न विभागों के स्टॉल का अवलोकन किया,जहां विभागीय योजनाओं पर आधारित जीवंत मॉडल बनाए गए हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के स्टॉल में वीबी राम जी एवं अटल पंचायत डिजिटल केंद्र को दर्शाया गया, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्टॉल में स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के स्टॉल में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, राष्ट्रीय शहरी आजिविका मिशन की जानकारी दी गई। समाज कल्याण विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं, नशामुक्ति थीम आधारित प्रदर्शनी लगायी गई।आदिवासी विकास विभाग द्वारा पीएमजनमन योजना सहित जनजातीय संस्कृति को दर्शाती हुई विभिन्न आभूषणों, जड़ी बुटियों एवं सामग्रियां प्रदर्शित की गई। कृषि विभाग द्वारा दलहन आत्मनिर्भर मिशन (वर्ष 2025-31) पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। केंद्रीय जेल द्वारा जेल बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया। रेशम विभाग द्वारा रेशम की खेती एवं प्रसंस्करण की जानकारी सहित निर्मित वस्तुओं एवं उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा हस्तशिल्प से महिला सशक्तिकरण की थीम आधारित एवं वन विभाग द्वारा वन सम्पदा पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई।

मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्रियों का किया वितरण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्रियों का वितरण किया। उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 3 हितग्राहियों को चेक, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान किया गया। इसी प्रकार समाज कल्याण विभाग द्वारा 7 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्रायसिकल एवं 2 दिव्यांगजनों को ट्रायसाइकिल, कृषि विभाग द्वारा शाकम्भरी योजनांतर्गत 16 हितग्राहियों को पम्प एवं 10 हितग्राहियों को चेप कटर वितरित किया गया।

मैनपाट महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले को लगभग 523 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात

मैनपाट महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले में विकास को नई गति देते हुए कुलकुल 523 करोड़ 20 लाख 53 हजार रुपए 109 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 429 करोड़ 11 लाख 40 हजार रुपए की लागत के 81 कार्यों का भूमिपूजन एवं 94 करोड़ 09 लाख 13 हजार रुपए की लागत के 28 कार्यों का लोकार्पण किया गया।

शिलान्यास

इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने 429 करोड़ 11 लाख 40 हजार रुपए की लागत के 80 कार्यों का लोकार्पण किया। शिलान्यास किए जाने वाले कार्यों में कार्यपालन अभियंता पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के 02 कार्य लागत कुल 7.6800 करोड़, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के 04 कार्य लागत कुल 30.8700 करोड़, आयुक्त नगर पालिक निगम के 02 कार्य लागत कुल 17.0100 करोड़, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना) के 51 सड़कों का निमार्ण कार्य कुल लागत 168.2115 करोड़, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग के 15 सड़क निर्माण कार्य कुल लागत 184.1800,लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग के 03 भवन निर्माण कार्य कुल लागत 3.0200, सहायक आदिवासी विभाग के 03 कार्य लागत कुल 6.1188 करोड़ रुपए की लागत के शामिल हैं।

लोकार्पण

इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने 94 करोड़ 9 लाख 13 हजार की लागत के 28 कार्यों का लोकार्पण किया। जिसमें कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग क्रमांक-1 के कार्य 10 कार्य कुल लागत 39.2410 करोड़, नगर पालिक निगम के नवीन कार्यालय भवन निर्माण 8 करोड़,पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 06 कार्य कुल लागत 2.7647 करोड़, लोक निर्माण (भ/स) संभाग के 03 सड़क निर्माण कार्य कुल लागत 11.1700 करोड़,लोक निर्माण (भ/स) संभाग के 06 भवन निर्माण कार्य कुल लागत 28.50 करोड़, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग के 02 कार्य कुल लागत 4.4156 करोड़ रुपए की लागत के शामिल हैं।

मेडिकल कॉलेज में दो जटिल सर्जरी से मरीजों को मिला नया जीवन

ट्रैक्टर हादसे में घायल महिला की बड़ी आंत निकालकर बचाई जान,जशपुर की महिला की जांघ से 2 किलो का ट्यूमर हटाया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने दो जटिल और चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन कर चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। इन सर्जरी के जरिए गंभीर रूप से पीड़ित दो मरीजों को नया जीवन मिला है। एक ओर खेत में हुए ट्रैक्टर हादसे में घायल महिला का बड़ा ऑपरेशन किया गया, वहीं दूसरी ओर जशपुर जिले की महिला की जांघ से वर्षों पुराना ट्यूमर निकालकर उसे राहत दी गई। रामानुजगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली रूकमणि कुछ दिन पहले अपने पति के साथ खेत में काम कर रही थी। पति ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहा था। जुताई पूरी होने के बाद ट्रैक्टर को खड़ा कर वह दूसरे काम में लग गया। इस दौरान ट्रैक्टर की चाबी वहीं लगी रह गई। पति के कहने पर महिला चाबी निकालने ट्रैक्टर के पास पहुंची। चाबी निकालते समय वह गलती से उल्टी दिशा में घूम गई,जिससे ट्रैक्टर अचानक स्टार्ट हो गया और अनियंत्रित होकर पास ही एक पेड़ से जा टकराया। इस हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद महिला को

तत्काल इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की जांच में सामने आया कि महिला की पसली टूट चुकी थी और बड़ी आंत में गंभीर चोट लगने के कारण अंदर संक्रमण फैल गया था। स्थिति लगातार बिगड़ रही थी और मरीज की जान पर खतरा मंडरा रहा था। डॉक्टरों ने पहले पसली का उपचार किया,इसके बाद महिला की हालत को देखते हुए इमरजेंसी सर्जरी का निर्णय लिया गया। करीब तीन घंटे तक चले ऑपरेशन में महिला की बड़ी आंत को निकालना पड़ा। इसके साथ ही मल निष्कासन के लिए पेट के रास्ते वैकल्पिक मार्ग बनाया गया। डॉक्टरों के अनुसार यह सर्जरी बेहद जटिल थी, लेकिन समय पर उपचार से महिला की जान बचाई जा सकी।

7 साल से दर्द झेल रही महिला की जांघ से निकला विशाल ट्यूमर : दूसरा मामला जशपुर जिले की 59 वर्षीय सुशिला का है। वह पिछले सात वर्षों से लगातार पैर दर्द और चलने में परेशानी से जूझ रही थी। जांच कराने पर दाहिनी जांघ में बड़ा ट्यूमर पाया गया। डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर महिला की जांघ से करीब दो किलो वजनी ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज को राहत मिली है और स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

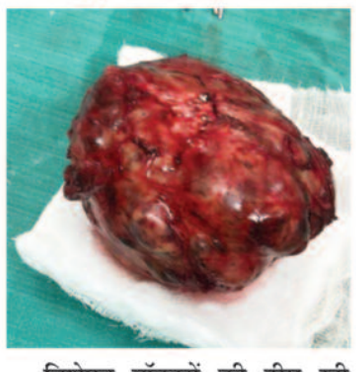

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम रही मौजूद : दोनों जटिल सर्जरी में मेडिकल कॉलेज अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पीआर शिवहरे, डॉ. मनोज भारती, डॉ. इंद्रनिल, डॉ. आनंद कुमार सहित अन्य सहयोगी डॉक्टरों और स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अस्पताल प्रबंधन ने इसे मेडिकल कॉलेज के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए टीम को बधाई दी है।

मरीजों के परिजन ने जताया आभार : ऑपरेशन के बाद मरीजों के परिजनों ने डॉक्टरों की टीम का धन्यवाद किया और समय पर इलाज मिलने से राहत की बात कही।

फाइलेरिया की दवा के बाद चार छात्राओं की तबीयत बिगड़ी

कोसंगा स्कूल में टैबलेट खिलाने के बाद बेहोश हुईं बच्चियां,अस्पताल में कराया गया भर्ती

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के ग्राम कोसंगा में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत दी गई दवा के बाद चार स्कूली छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। मिडिल स्कूल में मितानिन द्वारा फाइलेरिया रोधी टैबलेट खिलाने के कुछ देर बाद छात्राएं अचानक बेहोश हो गईं। घटना के बाद सभी प्रभावित बच्चों को तत्काल इलाज के लिए लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जिले में फाइलेरिया रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन द्वारा स्कूलों में अभियान चलाकर बच्चों को दवा खिलाई जा रही है। गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम कोसंगा स्कूल पहुंची थी, जहां बच्चों को निर्धारित खुराक दी गई। दवा सेवन के कुछ समय बाद चार छात्राओं की हालत बिगड़ गई और वे बेहोश हो गईं। लखनपुर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बच्चों की हालत में सुधार हुआ। इसके बाद सभी को घर भेज दिया गया। हालांकि दो छात्राओं की तबीयत दोबारा खराब होने पर उन्हें पुनः अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

सीएमएचओ ने बताया कारण

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. प्रेम सिंह मार्को ने बताया कि कई बार बच्चे दवा खाने के बाद घबराने लगते हैं और ज्यादा सोचने से हार्टबीट बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि कोसंगा स्कूल की छात्राओं में भी इसी प्रकार की स्थिति बनी थी। सभी बच्चे अब स्वस्थ हैं।

सीएमएचओ का बयान

'दवा खाने के बाद चार बच्चों में हार्टबीट बढने की समस्या आई थी। सभी बच्चे स्वस्थ हैं। दो को डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि दो का इलाज जारी है। '

डॉ. प्रेम सिंह मार्को,सीएमएचओ,सरगुजा

झुमका से कोरिया तक...महोत्सव बदला या मंशा?

फरवरी की तारीखों पर उठे तीखे सवाल

नाम बदला...मंच वही...झुमका महोत्सव हुआ गायब,कोरिया महोत्सव की एंट्री पर चर्चा तेज

- वीआईपी दौरा और चमकता शहरः क्या कोरिया महोत्सव बना प्रशासनिक परफॉर्मेंस शो?
- जिला स्थापना मई में,उत्सव फरवरी में! कोरिया महोत्सव की टाइमिंग पर घिरा प्रशासन
- स्कूल परिसर में महोत्सव,बोर्ड परीक्षा किनारे-कोरिया उत्सव पर उठे नए सवाल...
- अमृतधारा से झुमका और अब कोरियाःमहोत्सवों की बदलती राजनीति का नया अध्याय

रवि सिंह
बैकुण्ठपुर,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिला मुख्यालय इन दिनों किसी फिल्मी सेट की तरह सजाया जा रहा है, सड़कों के गड्ढे अचानक विकास की रफ्तार पकड़ चुके हैं, अतिक्रमणों को प्रशासनिक 'डाइट प्लान'पर भेज दिया गया है, टेंट-पंडाल ऐसे खड़े हो रहे हैं मानो शहर में लोकतंत्र नहीं,बल्कि शादी-ब्याह का सीजन आ गया हो,वजह भी खास है–तीन दिवसीय कोरिया महोत्सव, मुख्यमंत्री के आगमन की खबर ने प्रशासनिक मशीनरी में ऐसा जोश भर दिया है कि वर्षों से सुस्त पड़े काम भी अचानक 'फास्ट ट्रैक' पर दौड़ते नजर आ रहे हैं, लेकिन जितनी तेजी से तैयारियाँ हो रही हैं,उतनी ही तेजी से सवाल भी उठ रहे हैं–और व्यंग्य की धार भी।

25 मई का जिला,फरवरी का उत्सव इतिहास छुट्टी पर क्यों?

कोरिया जिले का जन्मदिन 25 मई 1998 बताया जाता है,लेकिन उत्सव फरवरी में मनाया जा रहा है,अब यह प्रशासनिक कैलेंडर की नई गणित है या फिर इतिहास से छुट्टी लेने का प्रयोग-यह जनता की समझ से बाहर है,लोग पूछ रहे हैं कि जब जिले का अस्तित्व मई में आया तो फरवरी में महोत्सव मनाने की ऐसी कौन-सी ज्योतिषीय मजबूरी थी? या फिर तारीखें भी अब वीआईपी शेड्यूल देखकर तय होती हैं?

झुमका महोत्सवः नाम बदला या याददाश्त मिटाई गई?

कुछ साल पहले तक इसी मौसम में झुमका महोत्सव हुआ करता था,पर्यटन को बढ़ावा देने की बात होती थी,झुमका बांध के तट पर रंगीन कार्यक्रम होते थे और प्रशासन पर्यटन की बातें करता था। अब अचानक झुमका गायब और कोरिया महोत्सव हाजिर! ऐसा लग रहा है जैसे जिले के महोत्सव भी मोबाइल ऐप की तरह हैं–अपडेट आते ही नाम और आइकन बदल जाते हैं,लेकिन यूजर यानी जनता वही पुरानी कहानी देखती रहती है, झुमका महोत्सव 2023 में शुरू हुआ, दो बार ही आयोजित हो पाया, और अब तीसरे साल उसका नामो-निशान ही बदल गया, करोड़ों खर्च कर ब्रांडिंग की गई,और फिर एक दिन नया बोर्ड लगा दिया गया–'अब हम कोरिया महोत्सव हैं।' पर्यटन की योजनाएँ शायद फाइलों में ही घूम रही हैं।

तैयारियाँ इतनी भव्य कि पदोन्नति की खुशबू भी आने लगी

शहर की साज-सज्जा देखकर लोगों के बीच फुसफुसाहट है कि यह सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि प्रशासनिक 'परफॉर्मेंस शो' भी हो सकता है, सड़कें चमक रही हैं, लाइटें जगमगा रही हैं और हर विभाग अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगा है, कहने वाले तो यह भी कह रहे हैं कि कहीं यह आयोजन प्रशासनिक सीवी में गोल्डन लाइन जोड़ने का प्रयास तो नहीं? हालांकि आधिकारिक तौर पर कोई कुछ नहीं कह रहा, लेकिन व्यंग्य यही है कि जिले की समस्याएँ सालभर इंतजार करती हैं और वीआईपी दौरा आते ही समाधान भी 'एक्सप्रेस मोड' में आ जाता है।

विद्यालय परिसर में महोत्सव—बोर्ड परीक्षाओं की 'साउंड टेस्ट'- कोरिया जिला शायद प्रदेश का इकलौता जिला बनने जा रहा है, जहां बोर्ड परीक्षाओं के ठीक पहले विद्यालय परिसर में महोत्सव का मंच सज रहा है,दो-दो स्कूल चल रहे हैं,परीक्षा केंद्र भी है,और उसी के बीच तीन दिन का ध्वनि-प्रदूषण पैकेज तैयार है, विद्यार्थी किताब खोलें या डीजे की बीट गिनें–यह सवाल अब अभिभावकों के बीच चर्चा का विषय है। प्रशासन के लिए यह शायद सांस्कृतिक कार्यक्रम है,लेकिन परीक्षार्थियों के लिए यह 'म्यूजिक सिस्टम वाला सिलेबस' साबित हो सकता है।

पर्यटन का सपना या खर्च का नया बहाना?- झुमका महोत्सव पर्यटन बढ़ाने के नाम पर शुरू हुआ था,अब कोरिया महोत्सव किस उद्देश्य से हो रहा है–यह स्पष्ट नहीं है, पर्यटन स्थल पर आयोजन नहीं, बल्कि स्कूल परिसर में कार्यक्रम... तो फिर सवाल उठना लाज़मी है कि क्या यह सांस्कृतिक उत्सव है, प्रशासनिक प्रदर्शन है या सिर्फ सरकारी कैलेंडर का एक नया इवेंट?

पर्यटन नहीं तो फिर महोत्सव क्यों? नाम बदला या जिम्मेदारी से बचने की कोशिश

जब जिले के पास बड़े पर्यटन स्थलों की कमी बताई जाती रही है,तो सवाल उठना लाज़मी है कि आखिर कोरिया महोत्सव के नाम पर लाखों रुपये खर्च करने की जरूरत क्या है. संकेत साफ नजर आ रहे हैं कि अब झुमका महोत्सव का आयोजन शायद अतीत की बात बन चुका है। मुख्यमंत्री का दौरा झुमका क्षेत्र में जरूर होगा,लेकिन मंच पर झुमका नाम नहीं दिखाई देगा। ऐसे में चर्चा यह भी है कि क्या जिला प्रशासन ने नाम इसलिए बदला क्योंकि झुमका पर्यटन की दृष्टि से अपेक्षित पहचान नहीं बना पाया? यदि खुद प्रशासन ही जिले में पर्यटन की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त नहीं दिख रहा,तो फिर बार-बार नए नामों से महोत्सव आयोजित कर सरकारी खजाने पर बोझ डालने का औचित्य क्या है–यह सवाल अब आम लोगों की जुबान पर भी साफ सुनाई देने लगा है।

अमृतधारा से झुमका,झुमका से कोरिया-महोत्सवों की ट्रांसफर पोस्टिंग

जब कोरिया और एमसीबी एक साथ थे,तब अमृतधारा महोत्सव चलता था,जिला बंटा तो अमृतधारा उधर चला गया और झुमका इधर आ गया,अब झुमका की जगह कोरिया महोत्सव आ गया,लगता है महोत्सव भी सरकारी कर्मचारियों की तरह हैं–हर कुछ साल में नई पोस्टिंग,नया नाम और नई जिम्मेदारी।

नाम बदलो, सवाल मत पूछो?

झुमका में करोड़ों खर्च करने के बाद अचानक नया नाम देना लोगों को चौंका रहा है, लगता है जिले में महोत्सवों की पहचान भी मौसम की तरह बदलती है-कभी अमृतधारा,कभी झुमका,अब कोरिया...और शायद अगले साल कोई नया नाम भी आ जाए,जनता पूछ रही है-क्या महोत्सव बदलने से जिले की समस्याएँ भी बदल जाएंगी, या सिर्फ पोस्टर और बैनर ही बदलेंगे? कुल मिलाकर, कोरिया महोत्सव की चमकदार तैयारियों के बीच सवालों की परछाइयाँ भी उतनी ही लंबी होती जा रही हैं, शहर सज रहा है, मंच तैयार हो रहे हैं, लेकिन लोगों के मन में यह जिज्ञासा बनी हुई है कि यह उत्सव वास्तव में जिले की पहचान बनेगा या सिर्फ प्रशासनिक प्रयोग की एक और कहानी बनकर रह जाएगा।

शमशाद आलम राजा बनाये गए भारतीय जनता पार्टी शंकरगढ़ के ब्लॉक अध्यक्ष

-संवाददाता-
शंकरगढ़,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी बलरामपुर के अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष मोहम्मद शमीम ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शंकरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष पद पर शमशाद आलम राजा की नियुक्ति की है। जिलाध्यक्ष मोहम्मद शमीम ने कहा कि शमशाद आलम राजा लंबे समय से पार्टी की विचारधारा से जुड़े रहे हैं और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके अनुभव और समर्पण से शंकरगढ़ ब्लॉक में पार्टी को और मजबूती मिलेगी। नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष शमशाद आलम राजा ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और सभी ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सुरगुजा की स्वाति राजवाड़े ने इंडिया ओपन किकबॉक्सिंग में जीता रजत पदक

आयुष सार्थी ने भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया प्रदेश का मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

नई दिल्ली के केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में 4 से 8 फरवरी तक आयोजित इंडिया ओपन इंटरनेशनल किकबॉक्सिंग कप 2026 में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सुरगुजा की खिलाड़ी स्वाति राजवाड़े ने -52 किलोग्राम लो किक इवेंट में कजाखस्तान की खिलाड़ी को हराकर रजत पदक अपने नाम किया। वहीं आयुष सार्थी ने -63 किलोग्राम किक लाइट वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में इराक,कजाखस्तान,उज्बेकिस्तान,तुर्की, मिस्र,सीरिया सहित कई देशों के खिलाड़ी शामिल हुए। कुल 775 खिलाड़ी और अधिकारी आयोजन का हिस्सा बने। छत्तीसगढ़ टीम के साथ कोच सरवर एक्का ने भी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। जिला किकबॉक्सिंग संघ ने खिलाड़ियों और कोच को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

घर के बाहर खड़ी कार में लगी आग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

घर के बाहर खड़ी कार में आग लगने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई गई है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक प्रतापपुर नाका खालपारा निवासी प्रकाश गुप्ता 12 फरवरी की शाम को लगभग सात बजे अपनी कार क्रमांक सीजी 15 ईजी 1757 को घर के बाहर खड़ा करके सो रहा था। रात करीब 12 बजे पड़ोस में रहने वाले लोगों की नजर कार में लगी आग पर पड़ी, और उन्होंने इसकी जानकारी कार स्वामी प्रकाश गुप्ता को दी।

मवेशी तस्कर द्वारा मवेशियों को क्रूरता पूर्वक पैर और मुंह बांधकर बूचड़ खाना ले जाने के फिराक में था,

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने किया मसूबों को नाकाम

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-
बलरामपुर,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर अंतर्गत चौकी बारियों पुलिस के द्वारा ग्राम आरा में मवेशी तस्कर के द्वारा मवेशी को क्रूरता पूर्वक पैर और मुंह बांधकर बूचड़ खाने ले जाने के फिराक में था, मुखबिर की सूचना पर चौकी बरियों पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध कमांक- 111/2025 धारा छ.ग. कृषक पशु परि.अधि. 2004 की धारा 4.6.10 एवं पशु कुरता निवा.अधि. 1960 की धारा 11 (1) घ. कार्यवाही कर भेजा न्यायिक रिमांड पर। त्रिवेणी प्रजापति पिता स्व. दशरथ प्रजापति, उम्र 29 वर्ष, निवासी मानपुर, थाना रंका, जिला गढ़वा झारखण्ड जानकारी के अनुसार दिनांक 20.05.2025 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम आरा के कुछ लोग झारखण्ड के मवेशी तस्करों से सांठ-गांठ कर मवेशियों को बुचड़खाना में ले जाने के लिए इकटठा किये हैं और झारखण्ड से मवेशी तस्करों को पिकप से मवेशी ले जाने के लिए बुलाये हैं। सूचना पर चौकी प्रभारी बरियों द्वारा तस्दीक हेतु स्टॉफ को लेकर ग्राम आरा सरनापारा में गये जहां गागर नदी किनारे जंगल के पास एक सफेद रंग का पिकप कमांक JH-03-AM-4025 दिखा जिसमें कुछ लोग मवेशी को लोड कर रहे थे। जिसे घेराबंदी किया गया जो पुलिस को आते देख कर मवेशी तस्कर पिकप वाहन कमांक JH-03-AM-4025 को छोड़कर भाग गये। पिकप वाहन में 04 नग मवेशी जिनके चारों पैर व मुंह कुरता पूर्वक बांधे हुए थे। मवेशी के पैर व मुंह को ग्रामीणों की मदद से खोला गया। पिकप वाहन कमांक JH-03-AM-4025 के चालक और मवेशी तस्करों का कृत्य पशु कुरता निवारण अधिनियम की धारा 11 (1) घ एवं छ.ग. कृषक पशु परि. अधि. की धारा 4,6,10 का अपराध घटित करना पाये जाने से पिकप वाहन एवं मवेशियों को समक्ष गवाहान के जप्ती किया गया। विवेचना के दौरान जप्तशुदा पिकप वाहन स्वामी का पता आरटीओ कार्यालय के माध्यम से करते हुए आरोपियों की पता तलाश के दौरान दिनांक 24. 12.2025 को आरोपी चालक तहकीक अंसारी पिता इंदु अंसारी उम्र 24 वर्ष निवासी मानपुर थाना रंका जिला गढ़वा झारखण्ड को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। तथा प्रकरण में जप्तशुदा पिकप वाहन के वाहन स्वामी त्रिवेणी प्रजापति के बारे में मुखबिर सूचना मिला कि त्रिवेणी प्रजापति अपने भाई बिशुनधारी के साथ ट्रक गाड़ी लेकर ग्राम ककना शांति राईस मिल में आये हुए हैं। सूचना मिलने पर ग्राम ककना राईस मिल के पास से आरोपी त्रिवेणी प्रजापति को तलब चौकी लाये। घटना के बारे में पुछताछ किया गया जो जप्तशुदा पिकप कमांक JH-®x-AM-4025 को अपना होना बताया तथा घटना दिनांक 19.05. 2025 को आबीद मिंया निवासी सोनपुरवा थाना रंका के बुकिंग पर चालक तहकीक अंसारी के द्वारा पिकप वाहन को छ.ग. में मवेशी परिवहन के लिए लाना बताया। आरोपी के विरूद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने से आज दिनांक 13.02.2026 विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। कार्यवाही में चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप सिंह, सउनि मुन्नाराम आर. जगनाथ केराम का विशेष योगदान रहा है।

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा राजपुर की कार्यकारिणी गठित

-संवाददाता-
राजपुर,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

महामाया मंदिर प्रांगण में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा राजपुर की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना के साथ हुई। कार्यक्रम प्रांतीय संयोजक राजेश कुमार यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार यादव, बलरामपुर जिलाध्यक्ष व्यास मुनि यादव तथा जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष रामाधार यादव के संयुक्त आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता भी जिलाध्यक्ष व्यास मुनि यादव ने की। बैठक में समाज से कुरीतियों को दूर करने तथा शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए रणनीति तैयार की गई। प्रांतीय संयोजक राजेश कुमार यादव ने जाति जनगणना और संगठन को मजबूत बनाने के विषय में विस्तार से जानकारी दी। संगठन को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए राजपुर ब्लॉक अध्यक्ष पद पर राजधन यादव तथा युवा ब्लॉक अध्यक्ष पद पर विकास कुमार यादव को मनोनीत किया गया। उनकी नियुक्ति पर उपस्थित समाजजनों ने जोरदार स्वागत किया और समाज में हर्ष का माहौल देखा गया।

कोतवाली और गांधीनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई...

जुआ खेलने की सूचना पर पुलिस की रेड,आरोपी फरार,5 बाइक जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में जुआ खेलने और खेलवाने की शिकायतों पर पुलिस लगातार सख्ती बरत रही है। थाना कोतवाली एवं थाना गांधीनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम फतेहपुर सुखरी नाला के पास तथा अन्य स्थानों पर जुआ गतिविधियों की सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। सूचना के आधार पर पुलिस टीमों को मौके पर दबिश देने के निर्देश दिए गए। इसके बाद थाना कोतवाली और गांधीनगर पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर रेड की गई। पुलिस टीम को दूर से आता देख आरोपी मौके से फरार हो गए। थाना गांधीनगर पुलिस ने कार्रवाई के दौरान मौके से 5 दोपहिया वाहन जब्त किए हैं। मामले में आगे वैधानिक प्रक्रिया जारी है। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा जुआ खेलने एवं खेलवाने की शिकायत पर दो व्यक्तियों के विरुद्ध बीएनएसएस की धारा 170/126, 135(3) के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। रविकांत जायसवाल (39), निवासी बौरीपारा शिकारी रोड दिवाकर तिवारी (33), निवासी बौरीपारा शिकारी रोड शामिल हैं। दोनों के विरुद्ध इस्तगासा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

इलेक्ट्रिक दुकान में चोरी,जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

किराएदारों के मकान को बाहर से बंद करके चोर इलेक्ट्रिक दुकान में घुसा और 45 किलो कॉपर वायर, बेयरिंग बोरी में भरकर ले गया। चोर की करतूत सीसीटीव्ही में कैद हो गई है। पुलिस मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है। जानकारी के मुताबिक ब्रह्म रोड पंचशील गली में स्थित अभय भवन निवासी अभय केशरी पिता सिद्धनाथ प्रसाद केशरी का इंडियन इलेक्ट्रॉनिक दुकान है, जहां मोटर बाइंडिंग का काम होता है। पास ही मकान में अखिलेश गुप्ता और नरमुल हसन किराए में रहते हैं। दो फरवरी को सुबह करीब 8.30 बजे किराएदार उठकर घर से बाहर निकलने को हुए तो दरवाजा बाहर से बंद था। इसकी जानकारी वे मकान मालिक को दिए। सीसीटीव्ही चेक करने पर पता चला कि एक व्यक्ति देर रात इलेक्ट्रिक दुकान के पार्टीशन को पार करके दुकान के अंदर घुसा,और दो बोरियों में कॉपर का वाइंडिंग तार और बेयरिंग भरकर ले गया,जिसका वजन 45 किलो और कीमत 45 हजार रुपये बताया गया है। चोरी की घटना को अंजाम देने के पहले उक्त व्यक्ति किराएदारों के घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था।

CMYK

घोटाला हुआ या सिर्फ प्रक्रिया गलत थी? विभागीय आदेश रद्द होते ही सिस्टम पर उठे बड़े सवाल,जांच,एफआईआर,बर्खास्तगी...सब हुआ बेअसर! न्यायालय के फैसले से सहकारी बैंकिंग तंत्र कटघरे में

35.78 लाख गबन केस में बैंक की कार्रवाई शून्य, मगर घोटाले पर जवाबदेही अब भी सवालों में

घोटाले की रकम वही,बदल गई फाइल की लाइन–35.78 लाख केस में आदेश शून्य,सवाल बरकरार

35.78 लाख फसल बीमा गबन मामला: बैंक की सेवा समाप्ति कार्रवाई शून्य,मगर घोटाले और जवाबदेही पर बड़े सवाल कायम

किसानों की बीमा राशि पर गबन का आरोप,कार्रवाई शून्य...अब जिम्मेदार कौन?

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर/भैयाथान,13 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित अंबिकापुर की भैयाथान शाखा में किसानों की फसल बीमा राशि से जुड़े कथित 35 लाख 78 हजार रुपये के गबन प्रकरण ने अब नया कानूनी और प्रशासनिक मोड़ ले लिया है,जिन चार कर्मचारियों के खिलाफ कलेक्टर स्तर की जांच, एफआईआर और बैंक की विभागीय कार्रवाई के बाद सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया गया था,उसी कार्रवाई को न्यायालय संयुक्त पंजीयन सहकारी संस्था, सरगुजा संभाग अंबिकापुर ने 23 जनवरी 2026 को प्रक्रिया संबंधी त्रुटियों के आधार पर शून्य घोषित कर दिया,फैसले के बाद सहकारी बैंकिंग व्यवस्था,जांच प्रक्रिया और जवाबदेही को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

किसानों का हित-असली मुद्दा

पूरे विवाद के बीच सबसे बड़ा मुद्दा किसानों की फसल बीमा राशि का है,यदि कथित गबन हुआ था तो उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी तय होगी और वसूली की प्रक्रिया किस दिशा में जाएगी? स्थानीय स्तर पर लोग सवाल कर रहे हैं कि हर बार सहकारी संस्थाओं में कार्रवाई प्रक्रिया की खामियों में उलझ जाती है,लेकिन किसानों को नुकसान का हिसाब कौन देगा।

राजनीतिक और प्रशासनिक चर्चा भी तेज

मामले को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा है कि जिस कार्रवाई की शुरुआत पूर्ववर्ती सरकार के समय हुई थी,वही अब अलग राजनीतिक माहौल में कानूनी चुनौती का सामना कर रही है, हालांकि किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तौर पर इसे राजनीतिक मामला नहीं बताया है।

दोषी कौन, जिम्मेदार कौन?

न्यायालय के आदेश ने एक बात साफ कर दी है कि विभागीय कार्रवाई नियमों के अनुरूप नहीं थी, लेकिन इससे घोटाले या आरोपों का स्वतः अंत नहीं हो जाता, अब निगाहें बैंक प्रबंधन और जांच एजेंसियों पर हैं कि वे आगे क्या कदम उठाते हैं–नई जांच, पुनः विभागीय कार्रवाई या केवल लंबित कानूनी प्रक्रिया का इंतजार,फिलहाल जनता और किसान दोनों यही पूछ रहे हैं–अगर घोटाला हुआ है तो जिम्मेदार कौन तय करेगा, और अगर प्रक्रिया ही गलत थी तो उस गलती की जवाबदेही किसकी होगी?

जांच से लेकर बर्खास्तगी तक की पूरी कहानी

जानकारी के अनुसार वर्ष 2019-20 में किसानों की फसल बीमा राशि के फर्जी आहरण की शिकायत सामने आने पर कलेक्टर सूरजपुर द्वारा जांच दल गठित किया गया था,जांच रिपोर्ट में शाखा प्रबंधक जगदीश कुशवाहा, लिपिक सूबेदार सिंह, संस्था प्रबंधक रामकुमार सिंह और कर्मचारी सुनील यादव के नाम सामने आए और लगभग 35.78 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता का उल्लेख किया गया,जांच के आधार पर बैंक प्रबंधन ने चारों कर्मचारियों को निलंबित किया,पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई और प्राधिकृत अधिकारी व बोर्ड बैठक के निर्णय के बाद 5 जून 2023 को सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया। आदेश में यह भी कहा गया था कि कथित गबन राशि की वसूली के लिए पृथक से विधिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय का फैसला: प्रक्रिया गलत,कार्रवाई शून्य

करीब तीन वर्ष बाद मामला संयुक्त पंजीयन न्यायालय पहुंचा,न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि विभागीय जांच के दौरान सेवा नियम 1982 और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पूर्ण पालन नहीं हुआ,आरोपों की स्पष्ट जिम्मेदारी तय नहीं की गई और जांच प्रक्रिया में संबंधित पक्ष को पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया,इसी आधार पर न्यायालय ने बैंक द्वारा की गई सेवा समाप्ति की कार्रवाई को शून्य घोषित कर दिया,हालांकि न्यायालय ने यह नहीं कहा कि घोटाला नहीं हुआ या कोई कर्मचारी पूरी तरह दोषमुक्त है,बल्कि केवल विभागीय प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताया और बैंक को नियमानुसार पुनः कार्रवाई करने की स्वतंत्रता भी दी।

अब उठ रहे हैं कई बड़े सवाल?-

फैसले के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि घोटाले की जांच कलेक्टर स्तर पर हुई,एफआईआर दर्ज हुई और बैंक ने बोर्ड बैठक में निर्णय लेकर सेवा समाप्ति की, तो फिर विभागीय कार्रवाई न्यायालय में टिक क्यों नहीं पाई? क्या जांच रिपोर्ट अधूरी थी या विभागीय प्रक्रिया कमजोर रही? यदि प्रक्रिया सही नहीं थी तो तीन साल तक कार्रवाई कैसे लागू रही? और अगर कार्रवाई मजबूत थी तो न्यायालय में बैंक अपना पक्ष प्रभावी ढंग से क्यों नहीं रख पाया? सूत्रों के अनुसार यह चर्चा भी है कि बैंक की ओर से सभी साक्ष्य और तर्क उतनी मजबूती से प्रस्तुत नहीं किए गए, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जेल की नौबत और जांच की विश्वसनीयता पर प्रश्न

मामले में पुलिस स्तर पर एफआईआर और कानूनी कार्रवाई होने के कारण यह सवाल भी उठ रहा है कि जब गिरफ्तारी और आपराधिक प्रक्रिया तक मामला पहुंचा,तो क्या प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर्याप्त नहीं थी? कानूनी जानकारों का कहना है कि विभागीय जांच और आपराधिक जांच दो अलग प्रक्रियाएं हैं,इसलिए विभागीय कार्रवाई शून्य होने का मतलब यह नहीं कि आपराधिक मामला खत्म हो गया है।

अवैध ईंट भट्टों पर प्रशासन की सतत कार्यवाही,लगभग 30 लाख ईंट जब्त

-संवाददाता-

बलरामपुर,13 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशानुसार राजस्व एवं संयुक्त टीम के द्वारा जिले में अवैध ईंट भट्ठों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अनुविभागीय अधिकारी वाड्रफनगर श्री नीरनिधि नंदेहा के नेतृत्व में राजस्व एवं संयुक्त टीम ने ग्राम रामनगर एवं पंडरी में संचालित अवैध ईंट भट्ठों पर कार्यवाही की। अनुविभागीय अधिकारी वाड्रफनगर एवं तहसीलदार वाड्रफनगर की संयुक्त टीम द्वारा 12 ईंट भट्ठों से लगभग 22 लाख अवैध रूप से निर्मित ईंट जब्त किया गया। इसी प्रकार तहसीलदार रघुनाथनगर द्वारा 4 ईंट भट्ठों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 8 लाख ईंट जब्त की है।

एचपीवी टीकाकरण के संबंध में प्रशिक्षण सम्पन्न

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में मजबूत पहल

-संवाददाता-

बलरामपुर,13 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। जिले में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान को प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से लागू करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के सभी विकासखंडों से बीएमओ, बीडीएम, प्रत्येक विकासखंड से एक मेडिकल ऑफिसर,सेक्टर प्रभारी,सेक्टर सुपरवाइजर,कोल्ड चेन हैंडलर, स्टाफ नर्स एवं एएनएम सहित मैदानी स्वास्थ्य अमले उपस्थिति थे।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने संबोधित करते हुए एचपीवी टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह टीका सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) की रोकथाम में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित एवं जागरूक स्वास्थ्य अमले के माध्यम से अभियान को जमीनी स्तर तक सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है, जिससे अधिक से अधिक किशोरियों को इस जीवन रक्षक टीके का लाभ मिल सके। प्रशिक्षण सत्र का संचालन भोपाल से आए विशेषज्ञ डॉ. अमित तिवारी द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को एचपीवी टीकाकरण की पूरी प्रक्रिया, लक्ष्य आयु वर्ग, सुरक्षित कोल्ड चेन प्रबंधन, रिपोर्टिंग प्रणाली तथा संभावित प्रतिकूल घटनाओं के प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही मैदानी स्तर पर संभावित चुनौतियों के समाधान पर भी चर्चा किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 इदरीश आ0 मो0 इलियास, निवासी सदर रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम कांतिप्रकाशपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 25/3, 29/4, 29/5, 34, 35, 37, 82 कुल खसरा 08 कुल रकबा 5.601 हे0 भूमि का नक्शा में त्रुटि हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि के नक्शा में हुई त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/03/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क0 202601021700028 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राम यादव पिता बसंत व अन्य, निवासी ग्राम केनाबांध, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम असोला स्थित भूमि कुल खसरा नंबर 816/1, 816/4, 816/7, 816/10, 817/2, 817/4, 818/2, 819/2 कुल खसरा नंबर 08 कुल रकबा 0.726 हे0 के वर्तमान भूमि स्वामी स्व. फुलकुंवर की मृत्यु होने के कारण उनके विधिक वारिशों के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/02/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 22/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT

OFFICE OF THE EXECITOVE ENGINEER WATER RESOURCES DIVISION, KUNKURI (C.G.)

C-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(Second-Call)

Online Tenders are invited for the following works up to 02.03.2026, (17.30 hours IST).

System Tender NO./NIT No./Date	Name of Work	Probable Amount of Contract
S.T.N. 185415/ N.I.T. No. 09/SAC/25-26 Date 11.02.2026	REPAIR OF CANAL AND C.C. LINING WORK OF Rs. 290.32 Lakhs N.I.T. No. 09/SAC/2025-26 KUNKURI DIVERSION SCHEME.	Rs. 290.32 Lakhs

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal (https://eproc.cgstate.gov.in) from Date 18.02.2026, at 17.31 Hours.(IST) onwards.

NOTE :- 1. All eligible/intrested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e- procurement portal (https://eproc.cgstate.gov.in) and get approval on specific vendor class from PWD under Centralized Contractor/Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.

2. Probable Amount of Contract (P.A.C.) is as per S.O.R. 01.08.2010(As Amendments 22.08.2022)

Executive Engineer
water Resources Division,
Kunkuri (C.G.)
For, Chief Engineer, Hasdeo Ganga
Basin Ambikapur (C.G.)

जी नंबर-252606651/5

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग,सामान्य वनमण्डल,रायगढ़ छ0ग0

नीलाम विज्ञापन

सर्व सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि रायगढ़ वनमण्डल रायगढ़ के अधीनस्थ काष्ठागार उर्दना रायगढ़ में उपलब्ध ईमारती लकड़ी (काष्ठ, जलाऊ) एवं बांस का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार उर्दना से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - काष्ठागार (उर्दना)रायगढ़
नीलाम दिनांक - 18/02.2026
नीलाम समय - प्रातः 9.00 बजे से प्रारंभ

क्र.	प्रजाति	नया वनोपज			पुराना वनोपज			योग वनोपज		
		लटठा घ.मी.	बल्ली नग	डेंगरी नग	लटठा घ.मी.	बल्ली नग	डेंगरी नग	लटठा घ.मी.	बल्ली नग	डेंगरी नग
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11
1	सागौन	1.685	278	120	9.813	1	4	11.498	279	124
2	साल	180.580	145	127	670.527	1097	61	851.107	1242	188
3	बीजा,शीशम, तिन्सा	3.274	0	0	102.540	0	0	105.814	0	0
4	खम्हार	0.000	0	0	0.000	0	0	0.000	0	0
5	साजा/अर्जुन	1.147	0	0	11.158	0	0	12.305	0	0
6	हल्दू, मुण्डी, कसई	0.000	0	0	17.020	0	0	17.020	0	0
7	धावड़ा	0.269	0	0	9.480	142	77	9.749	142	77
8	सलिहा	0.000	0	0	0.000	0	0	0.000	0	0
9	अन्य	1.184	425	522	46.960	1061	601	48.144	1486	1123
10	आर टी. एल.	0.000	0	0	0.000	0	0	0.000	0	0
	योग –	188.139	848	769	867.498	2301	743	1055.637	3149	1512
11	सतकठा जलाऊ	483	चट्टा	0	592	चट्टा	0	1075	चट्टा	
12	सागौन जलाऊ	0	चट्टा	0	0	चट्टा	0	0	चट्टा	
13	औद्योगिक बांस	0.000	नो.टन	0	0.000	नो.टन	0	0.000	नो.टन	
14	व्यापारिक बांस	4800	नग	0	12285	नग	0	17085	नग	

टीप- 1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व एम. एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है ।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लाटो के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी.सी.ई कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते है ।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।
5. प्रत्येक लॉट 30 सेकंड की अवधि के लिए बोली लगाने के लिए लाईव रहेगा। यदि अंतिम 20 सेकंड में कोई बोली प्राप्त नहीं होती है तो लॉट बंद कर दिया जायेगा ।

जी नंबर-252606641/3

वनमण्डलाधिकारी
रायगढ़ वनमण्डल रायगढ़

न्यायालय तहसीलदार दरिमा जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2026

ईश्तहार (उद्घोषणा)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम - नानदमाली थाना व तहसील दरिमा को सूचित किया जाता हैं। कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती मोहन मझवार पिता अमलश्री मझवार निवासी ग्राम नानदमाली थाना व तहसील दरिमा जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा उनके पिता स्व0 नानी चेरी की मृत्यु दिनांक 08/02/2008 है, तथा स्थान नानदमाली में हुआ है।

इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो लिखत में स्वयं या अपने अधिवक्ता के द्वारा दावा / आपत्ति दिनांक 15/2/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर सुनावई हेतु विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 30/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) कार्यपालीक दण्डाअधिकारी दरिमा,सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार दरिमा जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2026

ईश्तहार (उद्घोषणा)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम - नानदमाली थाना व तहसील दरिमा को सूचित किया जाता हैं। कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती खिरन राम पिता सुखन निवासी ग्राम नानदमाली थाना व तहसील दरिमा जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा उनके माँ मूलो बाई की मृत्यु दिनांक 06/07/2017 है, तथा स्थान नानदमाली में हुआ है ।

इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो लिखत में स्वयं या अपने अधिवक्ता के द्वारा दावा/आपत्ति दिनांक 15/2/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है । निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर सुनावई हेतु विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 30/1 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) कार्यपालीक दण्डाअधिकारी दरिमा,सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार दरिमा जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2026

ईश्तहार (उद्घोषणा)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम - नानदमाली थाना व तहसील दरिमा को सूचित किया जाता हैं। कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती खिरन राम पिता स्व0 सुखन निवासी ग्राम नानदमाली थाना व तहसील दरिमा जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा उनके बड़े माँ फूलो मझवार की मृत्यु दिनांक 05/09/2015 है, तथा स्थान नानदमाली में है।

इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो लिखत में स्वयं या अपने अधिवक्ता के द्वारा दावा / आपत्ति दिनांक 15/2/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर सुनावई हेतु विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/1/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) कार्यपालीक दण्डाअधिकारी दरिमा,सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.......... /अ- 6 /2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्रीमती कमलेश सोनी पत्नि स्व0 नन्दकिशोर सोनी, रवि सोनी, विशाल सोनी आ0स्व0 नन्दकिशोर सोनी, सभी निवासी बरेजपारा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के पति/पिता नन्दकिशोर सोनी के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 08 मोहल्ला बरेजपारा स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2602 / 114 रकबा 1960 वर्गफीट भूमि है। आवेदकगण के पति/पिता नन्दकिशोर सोनी की मृत्यु दिनांक 29.04.2021 को हो गई है जिस कारण उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित कर फौति नामातरण के आधार पर स्वयं के नाम से उक्त भूखण्ड का रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदकगण द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 23/02 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दाग / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/02/2026 को मेरे न्यायलयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार दरिमा,जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.......... /अ- 6/2025-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुनीता पति श्री ईश्वर जाति बरगाह निवासी ग्राम छिंदकालो थाना व तह0 दरिमा जिला सरगुजा छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम छिंदकालो में स्थित भूमि खसरा नंबर 437 / 1, 438/1 रकबा क्रमशः 0.1250, 0.0450 हे. भूमि जयमंगल उर्फ खखनु पि. रामवृक्ष वगैरह के नाम पर दर्ज होकर स्थित है। वादभूमि ख.नं. 437 / 1, 438/1 रकबा क्रमशः 0.1250, 0.0450 हे. में से रकबा क्रमशः 0.044, 0.045 हे कुल भूमि ख.नं. 2 कुल रकबा 0.089 हे. भूमि को पंजीकृत बैनामा दिनांक 11.07.2006 को आवेदिका / क्रेता द्वारा भूमिस्वामी/विक्रेता से क्रय कर काबिज काश्त है। वादभूमि वर्ष 2005-06 के नामांतरण पंजी में आवेदिका का नाम दर्ज होने के बावजूद वर्तमान ऑनलाईन बी-1 में आवेदिका का नाम नहीं दिखा रहा है। वादभूमि में आवेदिका पंजीकृत बैनामा दिनांक 11.07.2006 एवं बी- 1 वर्ष 2005-06 के आधार पर अपना नाम दर्ज करवाने हेतु आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 20/02/2026 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया ।

(सील) तहसीलदार दरिमा,सरगुजा,छ0ग0

सोनहत की सड़कों पर रफ्तार का सर्कस

स्कूली समय में स्टंटबाजी से दहशत,प्रशासन मौन

स्कूल टाइम बना 'स्पीड शो': तेज रफ्तार बाइकर्स से मासूमों की जान खतरे में...

हेलमेट गायब,रफ्तार बेहिसाब–सोनहत में स्टंटबाजों का आतंक,कार्रवाई का इंतजार

अस्पताल और स्कूल के पास तेज रफ्तार का खतरा,बेरिकेट्स की मांग तेज...

साइलेंसर के धमाके,प्रशासन की खामोशी–सोनहत में 'स्पीड शो' जारी...

-राजन पाण्डेय-
कोरिया/ सोनहत,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

पहले शांत और सादगी भरे माहौल के लिए पहचाना जाने वाला सोनहत अब तेज रफ्तार और स्टंटबाजी की वजह से लोगों के डर और नाराजगी का केंद्र बनता जा रहा है, खासकर स्कूल खुलने और छुट्टी होने के समय कुछ युवक बिना हेलमेट,बिना नंबर प्लेट और मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बाइकों से खतरनाक स्टंट करते नजर आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह सिर्फ ट्रैफिक नियमों की अनदेखी नहीं,बल्कि मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़ है।

स्कूल टाइम बना 'स्पीड शो' का मंच

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह और दोपहर के समय,जब सड़कों पर स्कूली बच्चों की सबसे ज्यादा आवाजाही रहती है, उसी दौरान कुछ बाइकर्स तेज रफ्तार में बाइक लहराते हुए निकलते हैं,कई बार बाइक को एक पहिए पर चलाने,अचानक ब्रेक लगाने और तेज आवाज वाले साइलेंसर से 'धमाके' जैसी आवाज निकालने की घटनाएं सामने आई हैं, स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि ये युवा जानबूझकर भीड़भाड़ वाले समय को चुनते हैं ताकि ज्यादा लोगों के बीच 'दिखावा' किया जा सके। इससे न सिर्फ सड़क पर अफरा-तफरी मचती है बल्कि ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित होती है।

मासूमों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

हायर सेकेंडरी स्कूल और आसपास के प्राथमिक विद्यालयों के पास रोजाना सैकड़ों छात्र पैदल या साइकिल से गुजरते हैं। अभिभावकों का कहना है कि कई बार बच्चे तेज रफ्तार बाइकों की चपेट में आते-आते बचे हैं, एक अभिभावक ने बताया,बच्चों को स्कूल भेजना अब डर का कारण बन गया है। हर दिन लगता है कि कहीं कोई बड़ी दुर्घटना न हो जाए। बिना हेलमेट और तेज रफ्तार में बाइक चलाने से न सिर्फ स्टंट करने वाले युवाओं की जान खतरे में है,बल्कि राहगीरों और छोटे बच्चों की सुरक्षा भी दांव पर लग रही है।

मॉडिफाइड साइलेंसर बना ध्वनि प्रदूषण का कारण

युवाओं द्वारा बाइकों में लगाए जा रहे मॉडिफाइड साइलेंसर से निकलने वाली तेज आवाजें अब लोगों के लिए परेशानी बन चुकी हैं, अस्पताल के पास से गुजरते समय तेज आवाजें मरीजों और उनके परिजनों के लिए मानसिक तनाव का कारण बन रही हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार एक्सीलेटर घुमाकर तेज आवाज निकालना सिर्फ शौक नहीं, बल्कि सार्वजनिक शांति भंग करने जैसा है।

अस्पताल और स्कूल के पास सुरक्षा उपायों की मांग

लगातार बढ़ती घटनाओं के बाद अब लोगों ने अस्पताल और हायर सेकेंडरी स्कूल के सामने स्पीड ब्रेकर, बेरिकेट्स और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग तेज कर दी है, उनका कहना है कि यह मांग किसी सुविधा के लिए नहीं बल्कि मासूमों और मरीजों की सुरक्षा के लिए जरूरी है, अस्पताल क्षेत्र- तेज रफ्तार और शोर मरीजों की हालत बिगाड़ सकता है, स्कूल क्षेत्र- छुट्टी के समय बच्चों की भीड़ के बीच स्टंटबाजी किसी भी समय बड़े हादसे में बदल सकती है।

प्रशासन की चुप्पी पर जनता का गुस्सा?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस की नियमित पेट्रोलिंग, हेलमेट जांच अभियान और स्टंटबाजी पर सख्त कार्रवाई की मांग लगातार उठ रही है,जनता का सवाल है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है? यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

क्या हो सकते हैं समाधान?

विशेषज्ञों और नागरिकों का सुझाव है कि स्कूल क्षेत्रों को नो स्टंट जोन घोषित किया जाए,ट्रैफिक पुलिस की नियमित निगरानी बढ़ाई जाए, मॉडिफाइड साइलेंसर और बिना हेलमेट बाइकर्स पर सख्त चालानी कार्रवाई हो,स्कूलों के माध्यम से युवाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाए।

रफ्तार नहीं,जिम्मेदारी जरूरी

सोनहत की सड़कों पर बढ़ती यह 'रफ्तार की सनक' अब सिर्फ ट्रैफिक उल्लंघन नहीं रही, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा बन चुकी है, जब तक प्रशासन सख्ती और जागरूकता दोनों पर बराबर ध्यान नहीं देगा, तब तक यह खतरा बना रहेगा, अब पूरे सोनहत की नजरें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी है – क्योंकि एक छोटी सी लापरवाही किसी मासूम की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।

गोरखनाथ मंदिर गोदरीपारा में 72 घंटे हरिनाम संकीर्तन

अतिथि के रूप में शामिल हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनय उपाध्याय

-संवाददाता-
चिरमिरी,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

चिरमिरी के गोदरीपारा स्थित एकमात्र विशाल गोरखनाथ मंदिर में उत्कल समाज द्वारा आयोजित 24 प्रहर यानी 72 घंटे का हरिनाम संकीर्तन श्रद्धा और भक्ति के माहौल में संपन्न हुआ,हर वर्ष फरवरी माह में आयोजित होने वाला यह धार्मिक अनुष्ठान इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और कीर्तन मंडलियों की भागीदारी से भव्य रूप में सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम में मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनय उपाध्याय विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंदिर एवं आयोजन समिति ने पारंपरिक उत्कल गमछा पहनाकर उनका स्वागत किया, आयोजन स्थल पर लगातार हरिनाम संकीर्तन की गूंज और भक्तिमय वातावरण ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

विभिन्न कीर्तन मंडलियों ने बांधा समां

तीन दिवसीय इस आयोजन में अलग-अलग कीर्तन मंडलियों ने हरि नाम संकीर्तन प्रस्तुत कर अनुष्ठान को सफल बनाया,मुख्य रूप से उड़ीसा से आए पुजारियों ने वैदिक विधि-विधान के साथ यज्ञ सम्पन्न कराया। संकीर्तन और भजन-कीर्तन के बीच श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली।

प्रकृति की गोद में बसा गोरखनाथ मंदिर

गोदरीपारा स्थित गोरखनाथ मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य के बीच बना हुआ है, जहां भगवान भोलेनाथ की पूजा गोरखनाथ बाबा के रूप में की जाती है, मंदिर परिसर की शांत और मनोरम वादियां श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करती हैं। हर वर्ष शीतकालीन समय में उत्कल समाज द्वारा यहां भव्य भोग-भंडारे का आयोजन भी तीन दिनों तक किया जाता है, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

समाज और नागरिकों का सहयोग

आयोजन को सफल बनाने में उत्कल समाज के साथ-साथ विभिन्न समाजों और गोदरीपारा के स्थानीय नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मंदिर समिति के अभि मंडल, लक्ष्मी प्रधान,शिवराम बेहरा,लिंगराज स्वाई,अजीत बेहरा,काशीनाथ साहू, जगबंधु खुटिया,धनुमुनी,राजकिशोर गुरुजी,रामू साहू, हटिया स्वाई और कैलास महाराणा सहित सभी सदस्यों ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई।

आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक

तीन दिन तक चले इस धार्मिक आयोजन ने न केवल भक्ति का माहौल बनाया,बल्कि विभिन्न समाजों को एक मंच पर जोड़कर सामाजिक एकता का संदेश भी दिया,श्रद्धालुओं का कहना है कि हरिनाम संकीर्तन जैसे आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हैं और लोगों में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करते हैं, चिरमिरी के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित यह 72 घंटे का संकीर्तन एक बार फिर आस्था,परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक बनकर सामने आया।

बैकुंठपुर में परो वायरस का कहर

3 दिन में 8 पिल्लों की मौत,विभाग की चुप्पी पर सवाल

खामोश मौत का वायरस! बैकुंठपुर में तेजी से मर रहे पिल्ले,पशु चिकित्सा विभाग बेखबर

परो वायरस ने बढ़ाई चिंता: बैकुंठपुर की गलियों में पिल्लों की मौत,रोकथाम पर सुस्ती

लावारिस पिल्लों पर संकट,प्रशासन मौन: बैकुंठपुर में परो वायरस का फैलाव

मौसम बदला,वायरस सक्रिय: बैकुंठपुर में 8 पिल्लों की मौत से हड़कंप

टीकाकरण नहीं,जागरूकता नहीं! बैकुंठपुर में परो वायरस पर विभाग की निष्क्रियता

बीमारी से ज्यादा लापरवाही घातक? बैकुंठपुर में परो वायरस से पिल्लों की मौत

नगर में फैला परो वायरस,पिल्लों की जान पर बन आई – कार्रवाई कब करेगा विभाग?

-संवाददाता-
कोरिया,13 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

नगर क्षेत्र में इन दिनों परो वायरस का खतरा तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है,मौसम परिवर्तन के साथ सक्रिय हुआ यह घातक वायरस कम उम्र के कुत्तों के पिल्लों पर भारी पड़ रहा है। बीते तीन दिनों के भीतर नगर के अलग-अलग मोहल्लों में 8 पिल्लों की मौत हो चुकी है,जिससे पशुपालकों और पशु प्रेमियों में चिंता और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहा है। लगातार सामने आ रहे मामलों ने पशु चिकित्सा विभाग की तैयारियों और सक्रियता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेजी से फैल रहा संक्रमण,छोटे पिल्ले सबसे ज्यादा प्रभावित

स्थानीय नागरिकों और पशुपालकों के अनुसार,परो वायरस मुख्य रूप से 2 से 6 महीने तक के पिल्लों को अपनी चपेट में ले रहा है, संक्रमित पिल्लों में अचानक दस्त शुरू होना,उल्टी, शरीर में कमजोरी,सुस्ती,पानी की कमी और भोजन से दूरी जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। कई मामलों में बीमारी इतनी तेजी से बढ़ रही है कि इलाज शुरू होने से पहले ही पिल्लों की मौत हो जा रही है,नगर के वार्ड क्रमांक 5, 7 और आसपास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों में लगातार पिल्लों के बीमार होने की जानकारी सामने आई है,जिससे संक्रमण के फैलाव की आशंका और गहरी हो गई है।

पालतू और लावारिस पिल्लों के बीच फर्क

जहां पालतू कुत्तों के मालिक निजी पशु चिकित्सकों की मदद से अपने पिल्लों का इलाज करा रहे हैं और कुछ मामलों में उन्हें बचाने में सफल भी हुए हैं,वहीं लावारिस पिल्लों के लिए यह वायरस मौत का कारण बनता जा रहा है,नगर के कई स्थानों पर बीमार और कमजोर पिल्ले सड़कों और गलियों में पड़े नजर आ रहे हैं, लेकिन उनके उपचार की कोई व्यवस्थित व्यवस्था नहीं दिख रही।

पशु चिकित्सा विभाग की भूमिका पर सवाल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि हालात गंभीर होने के बावजूद पशु चिकित्सा विभाग की ओर से अब तक कोई विशेष अभियान नहीं चलाया गया है। न तो प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे कराया गया है और न ही टीकाकरण या जागरूकता को लेकर कोई ठोस पहल सामने आई है, नागरिकों का कहना है कि हर साल मौसम बदलते ही परो वायरस के मामले सामने आते हैं, इसके बावजूद विभाग पहले से तैयारी नहीं करता, जिससे हर बार पिल्लों की जान जोखिम में पड़ जाती है।

विशेषज्ञों की चेतावनी और सुझाव

पशु विशेषज्ञों के मुताबिक, परो वायरस अत्यंत संक्रामक होता है और संक्रमित मल,गंदगी या संक्रमित स्थान के संपर्क से तेजी से फैलता है,उन्होंने बताया कि साफ-सफाई,समय पर टीकाकरण और संक्रमित पिल्लों को अलग रखना ही सबसे प्रभावी बचाव है, विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो संक्रमण का दायरा बढ़ सकता है और अन्य पशुओं के लिए भी खतरा बन सकता है।

नगरवासियों की मांग

नगरवासियों और पशु प्रेमियों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से प्रभावित क्षेत्रों में पशु चिकित्सा टीम भेजी जाए, लावारिस पिल्लों के लिए अस्थायी उपचार शिविर लगाए जाएं और नगर स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाए,लोगों का कहना है कि यदि अभी ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में पिल्लों की मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

रेखा की वो फिल्म जिसमें मगरमच्छ ने लूट ली थी पूरी लाइमलाइट

38 साल पहले आई थ्रिलर का क्लाईमैक्स था दमदार

38 साल पहले आई रेखा की एक फिल्म में मगरमच्छ ने पूरी लाइमलाइट चुरा ली थी। फिल्म का मेन सस्पेंस भी मगरमच्छ से शुरू होता है और क्लाईमैक्स भी इसी पर खत्म होता है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई थी।

मगरमच्छ से फिल्मों का कनेक्शन कोई नया नहीं है। शनाया कपूर और आदर्श गौरव की लेटेस्ट फिल्म तू या मैं के अलावा कई फिल्मों में मगरमच्छ को दिखाया गया और दिलचस्प बात यह है कि 2-3 घंटों की फिल्म में चंद मिनटों के सीन्स में मगरमच्छ लाइमलाइट बटोर चुके हैं। 38 साल पहले आई एक फिल्म में कुछ ऐसा ही हुआ था।

यह फिल्म रेखा की थी जिसमें मगरमच्छ का सीन काफी हाइलाइट किया गया था। इस फिल्म का मेन थ्रिल भी मगरमच्छ से शुरू हुआ और क्लाईमैक्स भी मगरमच्छ के साथ खत्म हुआ। इस फिल्म को इतना पसंद किया गया कि यह बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही।

रेखा की सुपरहिट फिल्म

यह फिल्म थी 1988 में रिलीज हुई खून भरी मांग । रेखा ने अकेले दम पर इस फिल्म को सुपरहिट कराया था। फिल्म में रेखा के अलावा कबीर बेदी, सोनी वालिया और कादर खान मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म का निर्देशन राकेश रोशन ने किया था।

रेखा की फिल्म में मगरमच्छ का खौफ

फिल्म की कहानी एक अमीर घराने से ताल्लुक रखने वाली विधवा आरती की है जिसके पति की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई थी और उसके पिता का भी कत्ल हो गया। इसके बाद वह अपने बच्चों और पेट डॉग्स के साथ अकेले सर्वाइव करने की कोशिश करती है। तभी हीरालाल (कादर खान) जो आरती के पिता का दोस्त होता है, वह उसका फादर फिगर बनने की कोशिश करता है। वह आरती की जिंदगी में अपने भतीजे संजय को लाता है, ताकि वह आरती की जायदाद पर कब्जा कर सके। आरती की दोस्त नंदिनी (सोनू वालिया) भी संजय से मिली हुई है। सब मिलकर आरती को संजय से दोबारा शादी के लिए मनाते हैं और जब आरती की संजय से शादी हो जाती है तो असली ड्रामा शुरू होता है। नंदिनी और संजय आरती को एक ट्रिप पर ले जाते हैं और उन्हें मगरमच्छ से भरे पानी में धकेल देते हैं।

पहली बार बरेली में लाइव परफॉर्म करेंगे सोनू निगम

ऐतिहासिक म्यूजिकल शाम के लिए तैयार शहर

पॉपुलर सिंगर सोनू निगम 28 फरवरी 2026 को बरेली में पहला बड़ा लाइव कॉन्सर्ट करने वाले हैं। इसका नाम ÷इवेंट ऑफ द डिकेड÷ दिया गया है। यह बरेली में उनका पहला ऐसा आयोजन है, जिसे लेकर पूरे शहर में जबरदस्त उत्साह है। अपनी बहुमुखी गायकी के लिए प्रसिद्ध सोनू निगम का यह शो सभी आयु वर्ग के दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। इसके टिकट बुक माय शो पर उपलब्ध है।

बरेली शहर 28 फरवरी 2026 को एक ऐतिहासिक संगीत समारोह का साक्षी बनने जा रहा है। देश के प्रसिद्ध गायक सोनू निगम अपने मच अवेटेड लाइव कॉन्सर्ट ÷इवेंट ऑफ द डिकेड÷ के साथ पहली बार बरेली में प्रस्तुति देने जा रहे हैं। यह बरेली में उनका पहला बड़े स्तर का लाइव शो होगा, जिसे लेकर पूरे शहर और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है।

बरेली शहर में बिखेरेंगे अपनी आवाज का जादू

सोनू निगम भारतीय संगीत जगत की उन चुनिंदा आवाजों में से एक हैं, जिन्होंने दशकों

से विभिन्न भाषाओं और शैलियों में अपनी गायकी का जादू बिखेरा है। रोमांटिक गीतों से लेकर भक्ति संगीत, गजल और सूफी रचनाओं तक उनकी आवाज ने हर पीढ़ी के दिलों को छुआ। उनकी लाइव प्रस्तुतियां अपनी ऊर्जा, संगीतात्मकता और दर्शकों से जुड़ाव के लिए जानी जाती हैं।

हर आयु वर्ग के दर्शकों के बीच हैं पॉपुलर

यह ऐतिहासिक कार्यक्रम संगीत, यादों और भावनाओं से भरी एक यादगार शाम का वादा करता है। बरेली और आसपास के शहरों के हजारों संगीत प्रेमी इस भव्य आयोजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी सुरीली और वर्सेटाइल गायकी के लिए प्रसिद्ध सोनू निगम का यह शो सभी आयु वर्ग के दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित होगा।

टियर 2,3 शहरों में भी पहुच रहा कॉन्सर्ट

पिछले कुछ वर्षों में भारत के लाइव एंटरटेनमेंट और कॉन्सर्ट उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। अब बड़े कॉन्सर्ट केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी उच्च स्तरीय आयोजनों की मांग तेजी से बढ़ी है। इसी बदलते परिदृश्य में बरेली भी बड़े सांस्कृतिक आयोजनों के मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है।

बुक माई शो पर उपलब्ध है टिकट

कॉन्सर्ट की घोषणा के बाद से ही टिकट बिक्री को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। टिकट लाइव होते ही प्रीमियम श्रेणी की सीटों की तेज बुकिंग ने यह स्पष्ट कर दिया कि बरेली के दर्शक क्वालिटी लाइव एंटरटेनमेंट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हजारों लोगों ने बुक माय शो पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर ली है। ऐसे बड़े आयोजनों का प्रभाव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहता। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलता है जैसे होटल,परिवहन, रेस्टोरेंट और अन्य स्थानीय व्यवसाय। राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की मेजबानी से शहर की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होती है और भविष्य में और बड़े आयोजनों के लिए रास्ते खुलते हैं। यह वह शाम है जिसे कोई भी संगीत प्रेमी मिस नहीं करना चाहेगा।

22 साल पहले दो हीरोइनों के किसिंग ने हिला दिया था बॉलीवुड

सड़कों पर जले थे पोस्टर और उठी थी बैन की मांग!

22 साल पहले एक फिल्म आई थी जो बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी थी। इस फिल्म में दो हीरोइनों के किसिंग सीन ने पूरे देश में बवाल मचा दिया था। फिल्म को लेकर काफी विरोध हुआ

साल 2004 में एक फिल्म रिलीज हुई जो अब तक की मोस्ट कंट्रोवर्शियल फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म की रिलीज के वक्त खूब बवाल मचा। इसकी वजह दो हीरोइनों का किसिंग सीन था।

यूं तो पर्दे पर पहले भी हीरोइनों के किसिंग सीन हुए लेकिन 22 साल पहले आई फिल्म को लेकर ज्यादा हंगामा हुआ। आलम यह था कि फिल्म के बैन की भी मांग उठने लगी। हालांकि, फिर भी फिल्म रिलीज हुई लेकिन इसे दर्शक नहीं मिल पाए।

फिल्म की हुई थी खूब आलोचना

इस फिल्म को खराब रेटिंग मिली और कहानी भी खास पसंद नहीं की गई। पूरी फिल्म में सिर्फ दो हीरोइनों के बीच के रोमांस पर फोकस किया गया था जिसकी वजह से क्रिटिक्स ने फिल्म की खूब आलोचना की थी। भले ही इस फिल्म के बाद हीरोइनों को फिल्में मिलीं, लेकिन उन्हें खास सफलता हासिल नहीं हुई।

लेस्बियन की दिखाई गई स्टोरी

यह फिल्म है 2004 में रिलीज हुई गर्लफ्रेंड । यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म थी जिसका निर्देशन करण राजदान ने किया था। फिल्म की कहानी दो बेस्ट फ्रेंड्स तान्या (ईशा कोप्पिकर) और सपना (अमृता अरोड़ा) की है जो दोस्त से बढ़कर हैं और उनके बीच फिजिकल रिलेशन भी है।

तान्या, सपना के लिए काफी पजेसिव है और उसके दिल में गहरी फीलिंग्स है जिससे सपना अनजान है। तभी सपना की जिंदगी में राहुल की एंट्री होती है और दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। तभी राहुल को पता चलता है कि तान्या लेस्बियन है और जब यह बात सपना को पता चलती है तो वह उससे नफरत करने लगती है।

जलाए गए थे फिल्म के पोस्टर्स

लेस्बियन रिलेशनशिप पर आधारित गर्लफ्रेंड को लेकर काफी बवाल मचा। कई पॉलिटिकल पार्टियों ने फिल्म का विरोध किया था और कई जगहों पर फिल्म के पोस्टर भी जलाए गए थे। इसके बैन की भी मांग उठी थी। हालांकि, इसे थिएटर्स में लाया गया और क्रिटिकली और कमर्शियली यह फिल्म सुपरफ्लॉप रही थी।

अमृता ने बनाई फिल्मों से दूरी

इस फिल्म के चलते ईशा कोप्पिकर और अमृता अरोड़ा को भी आलोचना झेलनी पड़ी थी। हालांकि, बाद में डॉन और एक विवाह ऐसा भी में ईशा की भूमिका को सराहा गया। वहीं अमृता अरोड़ा को कुछ तो है तेरे मेरे दरमियां में देखा गया था। इसके बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली।

5 लड़कियों को एक साथ डेट कर रहा था शनाया कपूर का एक्स बॉयफ्रेंड,एक्ट्रेस ने पकड़ा था रंगेहाथ

एक्ट्रेस शनाया कपूर ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें उनका एक्स बॉयफ्रेंड 5 लड़कियों के साथ चीट कर रहा था। एक्ट्रेस ने बताया कैब बुक करते टाइम उन्होंने एक्स को रंगेहाथों पकड़ा था। एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर इस वक्त आदर्श गौरव के साथ अपनी लेटेस्ट फिल्म तू या मैं के प्रमोशन में बिजी हैं। एक्ट्रेस, जो हमेशा अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में चुप रहती हैं उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने पिछले रिलेशनशिप से जुड़ी एक चौंकाने वाली घटना के बारे में बताया। शनाया ने बताया कि उन्होंने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड को विदेश में वेकेशन के दौरान पांच दूसरी लड़कियों के साथ धोखा देते हुए पकड़ा था।

एक पॉडकास्ट के दौरान, उन्होंने अपने डरावने इमोशनल चीटिंग एक्सपीरियंस और उस सिचुएशन को कैसे हैंडल किया, इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, मेरा एक्सपीरियंस दिल तोड़ने वाला था, मैं ट्रॉमा में थी। मैं सोचती थी कि ये बेस्ट रिलेशनशिप है। उन्हें लगता था कि ये उनकी जिंदगी का सबसे परफेक्ट रोमांटिक रिलेशनशिप था।

वेकेशन पर एक्स बॉयफ्रेंड को पकड़ा रंगेहाथों

हालांकि जब शनाया और उनके एक्स-बॉयफ्रेंड किसी फॉरेन लोकेशन पर छुट्टियां मना रहे थे, तो उन्हें असली सच्चाई का पता चला। जब वे डिनर के लिए बाहर जाने की तैयारी कर रहे थे,तो शनाया का फोन डिस्चार्ज हो गया था। तब उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड के फोन से कैब बुक की और इसी बीच राइड बुक करते समय उन्होंने उसकी एक्स-गर्लफ्रेंड का एक मैसेज नोटिफिकेशन देखा। हालांकि यह शुरू में एक नॉर्मल टेक्स्ट जैसा लगा, लेकिन उसने चैट खोली तो कुछ और ही पाया।

5 लड़कियों को एक साथ कर रहा था डेट

बाद में, एक्ट्रेस ने बताया कि जब उसने और चेक किया तो उसे चार और लड़कियों के साथ भी ऐसी ही बातचीत मिली। दूसरी लड़की,तीसरी लड़की, चौथी,पांचवीं। वो पांच लड़कियों को मैसेज कर रहा था।

इसके बाद जब शनाया ने इस बारे में बॉयफ्रेंड से बात करनी चाही तो उसने कहा कि यह सब मैसेज पर बात होती है फिजिकली कोई रिलेशन नहीं है। लेकिन शनाया ने कहा कि ये इमोशनल चीटिंग है और उसे छोड़ दिया।

इस बीच,वर्क फ्रंट पर शनाया कपूर की फिल्म तू या मैं को बिजॉय नांबियार ने डायरेक्ट किया है। यह थिएटर में विशाल भारद्वाज की फिल्म ओ रोमियो से क्लैश कर रही है, जिसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी हैं। दोनों फिल्में 13 फरवरी को थिएटर में रिलीज हुईं।

अनन्या पांडे को भेजे स्क्रीनशॉट

शनाया ने तुरंत उन चैट के स्क्रीनशॉट लिए और स्नैपचैट पर अपने दोस्तों को भेज दिए। उसके ग्रूप बीएफएफएस में से एक अनन्या पांडे भी थी। अनन्या ने उन्हें जल्दी से वह जगह छोड़कर वापस आने की सलाह दी,क्योंकि वे पास में ही थे,क्रिसमस के समय ट्रैवल कर रहे थे। लेकिन,विदेश में होने के कारण, शनाया फंसी हुई और बेबस महसूस कर रही थी। इसीलिए मैंने डिनर पर ऐसे दिखाया जैसे सब ठीक है।

रणवीर सिंह के बाद अब डॉन 3 में होंगे ऋतिक रोशन?

ऋतिक रोशन ने फिल्म डॉन 3 को लेकर सच्चाई बताई है। साथ ही ये भी खुलासा किया कि क्या वे इस फिल्म का हिस्सा रहने वाले हैं या नहीं। फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी सुपरहिट फिल्म फ्रेंचाइजी डॉन की दोनों फिल्में सुपरहिट रही हैं। दोनों फिल्मों ने खूब पैसे कमाए थे और बीते कुछ दिनों से तीसरे पार्ट की भी चर्चा है। बीते दिनों

खबरें आई थीं कि रणवीर सिंह ने डॉन 3 को साइन कर लिया है और बाद में ये खबरें अफवाहों में बदल गईं। साथ ही हाल ही में खबरें आई थीं कि ऋतिक रोशन फिल्म डॉन 3 में नजर आने वाले हैं। लेकिन अब ऋतिक रोशन ने खुद ही इसकी सच्चाई बताई है। साथ ही इन खबरों को पूरी तरह अफवाहें बताते हुए ऋतिक ने कहा कि उनके पास कोई ऐसा ऑफर तक नहीं आया है। अभिनेता ऋतिक रोशन ने शुक्रवार को फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 से जुड़े अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि उनसे कभी भी इस फिल्म के लिए संपर्क नहीं किया गया था। अभिनेता रणवीर सिंह को 2023 में इस फ्रेंचाइज के तीसरे भाग में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया था,लेकिन खबरों के मुताबिक फिल्म की शूटिंग में देरी के कारण उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया है। उनके बाहर निकलने के बाद, कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि रोशन फिल्म में सिंह की जगह लेने के लिए बातचीत कर रहे थे। रोशन ने एक बयान में कहा, जो बात सिर्फ एक अफवाह के रूप में शुरू हुई थी,अब वह बहुत फैल गई है, और सच्चाई बताना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा,मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि मुझसे कभी भी डॉन 3 के लिए संपर्क नहीं किया गया। मैं मीडिया से अनुरोध करता हूं कि वे ऐसी किसी भी अपुष्ट खबर से दूर रहें।

खेल समाचार

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

ऑस्ट्रेलिया 170 का टारगेट नहीं चेज कर सका

कोलंबो,13 फरवरी 2026। टी-20 वर्ल्ड कप में पहला उलटफेर देखने को मिला है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन के अंतर से हराया। टीम ने दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया को टी-20 वर्ल्ड कप में हराया है। उसने 19 साल पहले 2007 में भी ऑस्ट्रेलियन को लीग राउंड में हराया था।

कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 19.3 ओवर के बाद 146 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैट रेनशॉ की फिफ्टी, डेविड-ग्रीन जीरो पर आउट

टारगेट चेज कर रहे मैट रेनशॉ (65 रन) ने फिफ्टी लगाई। ग्लेन मैक्सवेल ने 31 रन बनाए। मार्कस स्टोयनिस (6) ट्रैविस हेड (17) और जोश इंग्लिस (8) खास प्रदर्शन नहीं कर सके। टिम डेविड और कैमरन ग्रीन का खाता भी नहीं खुला। जिम्बाब्वे के लिए मुजरबानी के अलावा, इवांस को 3 विकेट मिले।

जिम्बाब्वे से ब्रायन बेनेट ने फिफ्टी लगाई

जिम्बाब्वे से ब्रायन बेनेट ने 56 बॉल पर नाबाद 64 रन बनाए। यह उनका टी-20 वर्ल्ड कप में पहला और टी-20 इंटरनेशनल में ओवरऑल 11वां अर्धशतक है। उनके अलावा तादिवानाशे मारुमनी और रयान बर्ल ने 35-35 रन की पारी खेली। कप्तान सिकंदर रजा ने 13 बॉल पर नाबाद 25 रन बनाए। ऑस्टेलिया के लिए मार्कस स्टोयनिस और कैमरन ग्रीन को 1-1 विकेट मिला।

क्या लीग राउंड से बाहर हो जाएगा ऑस्ट्रेलिया?

ग्रूप बी के पॉइंट्स टेबल की मौजूदा स्थिति में ऑस्ट्रेलिया की टीम तीसरे नंबर पर है। उसने 2 में से एक मैच गंवा दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास 2 अंक हैं। अब कंगारुओं को अगले दौरे में जाने के लिए श्रीलंका और ओमान से मैच जीतने होंगे। साथ ही श्रीलंका और जिम्बाब्वे के एक-एक मैच हारने की कामना करनी होगे।

यह वहीं मैदान,जहां भारत-पाक मैच होगा

कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में इस टूर्नामेंट का सबसे बे । उलटफेर हुआ। यह वही मैदान है, जहां पर 15 फरवरी को भारत और पाकिस्तान मैच खेला जाएगा। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की टीम 170 रन का टारगेट चेज नहीं कर सकी है। ऐसे में यहां भारत-पाकिस्तान के बीच रोमांचक मैच की उम्मीद है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ऑस्ट्रेलिया:- ट्रैविस हेड (कप्तान), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, मैट रेनशॉ, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड, मार्कस स्टोयनिस, नाथन एलिस, बेन ड्वार्शुइस, मैथ्यू कुह्नेमन, एडम जम्पा।

जिम्बाब्वे:- सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, तादिवानाशे मारुमनी, डायोन मायर्स, रयान बर्ल, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्रैडली इवांस, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजरबानी, टोनी मुनयोंगा, ग्रीम क्रेमर।

एशियन चैंपियनशिप में भारत के अभियान का शानदार अंत

दिल्ली,13 फरवरी 2026। एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2026 में भारत ने कुल 94 मेडल (51 गोल्ड, 23 सिल्वर और 20 ब्रॉन्ज मेडल) के साथ अपने अभियान का अंत किया। मेजबान टीम ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 6 गोल्ड, 3 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी मजबूत स्थिति बनाई। आखिरी दिन, भारतीय शूटर्स ने 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल जूनियर इवेंट्स में पोडियम पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही 50 मीटर राइफल प्रोन विमेन सीनियर और जूनियर इवेंट्स में तीन मेडल भी जीते। उन्होंने टीम इवेंट्स में भी चार गोल्ड मेडल जीतकर चैंपियनशिप को शानदार तरीके से खत्म किया। 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में अमनप्रीत सिंह ने प्रिसिजन और रैपिड स्टेज पर 589-24× के फाइनल स्कोर के साथ गोल्ड पर निशाना साधा।

ओलंपियन गुरप्रीत सिंह ने 584-20× के स्कोर के साथ सिल्वर जीता, जबकि अंकुर गोयल ने 570-11× के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। 25 मीटर पिस्टल जूनियर इवेंट में सूरज शर्मा ने साल की अपनी शानदार शुरुआत जारी रखते हुए 585-25× के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। मुकेश नेलावल्ली ने चैंपियनशिप में एक और मेडल जीता। इस बार उन्होंने 582-21× के स्कोर के साथ सिल्वर पर निशाना साधा। डेफलिंपिक्स मेडलिस्ट अभिनव देशवाल ने 573-17× के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज जीता। तीनों ने इवेंट में टीम गोल्ड भी जीता।

50 मीटर राइफल प्रोन इवेंट में कजाकिस्तान की येलिजावेता बेजरुकोवा ने गोल्ड जीता। वहीं, ओलंपियन सिफ्ट कौर समरा ने 623.2 के स्कोर के साथ सिल्वर पर निशाना साधा। तेजस्विनी सावंत ने इंटरनेशनल मेडल जीतने के 5 साल बाद ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। सिफ्ट और तेजस्वनी ने मानिनी कौशिक के साथ भारत के लिए टीम गोल्ड जीता। जूनियर कैटेगरी में धवलिका देवी न्यामुरस ने 614.1 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना साधा, जबकि कजाकिस्तान की निशानेबाज टोमिरिस अमानोवा और डारिया पोनोमारेंको ने क्रमशः गोल्ड और सिल्वर मेडल पर निशाना साधा। प्राची गायकवाड़, अनुष्का थोकुर और देवी की तिकड़ी ने मिलकर टीम गोल्ड जीता।

जफर के नाम 3 विकेट! यूएई ने कनाडा को 5 विकेट से हराया

दिल्ली,13 फरवरी 2026। यूएई ने कनाडा के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 20 वें मुकाबले को 5 विकेट से जीता। इस जीत के साथ यूएई ग्रूप-डी की प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी कनाडा की टीम ने 7 विकेट खोकर 150 रन बनाए। इस टीम ने 38 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे। यहां से हर्ष ठाकर ने नवनीत धालीवाल के साथ चौथे विकेट के लिए 47 गेंदों में 58 रन की साझेदारी की। नवनीत 28 गेंदों में 4 चौकों के साथ 34 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद हर्ष ने श्रेयस मोव्वा के साथ पांचवें विकेट के लिए 28 गेंदों में 33 रन जोड़ते हुए टीम को 129 के स्कोर तक पहुंचाया। श्रेयस 21 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि हर्ष ने 41 गेंदों में 3 छक्कों और 2 चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली। कप्तान दिलप्रीत बाजवा ने 11 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इन चार बल्लेबाजों के अलावा, कोई अन्य खिलाड़ी इस पारी में दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। विपक्षी खेमे से जुनैद सिद्दीकी ने 4 ओवरों में 35 रन देकर 5 विकेट हासिल किए, जबकि मुहम्मद जवादुल्लाह ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में यूएई की टीम ने 19.4 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने 12 के स्कोर पर कप्तान मुहम्मद वसीम (4) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद आर्यांश शर्मा ने अलीशान शराफू (5) के साथ दूसरे विकेट के लिए 27 गेंदों में 29 रन की साझेदारी की। यह टीम 66 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा चुकी थी, जहां से आर्यांश ने शोएब खान के साथ पांचवें विकेट के लिए 42 गेंदों में 84 रन जोड़ते हुए टीम को 150 के स्कोर तक पहुंचाया। आर्यांश 53 गेंदों में 3 छक्कों और 6 चौकों के साथ 74 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शोएब खान ने 29 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 51 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से साद बिन जफर ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि कलीम और जसरकरण सिंह को 1-1 सफलता हाथ लगी।

रिटायर्ड कर्मचारियों को संविदा नियुक्ति देने पर भड़का कर्मचारी संघ,संविदा प्रथा खत्म नहीं हुई तो उग्र आंदोलन की तैयारी

रायपुर,13 फरवरी 2026। रिटायर्ड अधिकारियों और कर्मचारियों को दोबारा संविदा नियुक्ति देने के फैसले के खिलाफ प्रदेश का सबसे बड़ा कर्मचारी संगठन मुखर हो गया है। करीब दो लाख से अधिक शासकीय और अशासकीय कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाला छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन इस मुद्दे पर उग्र आंदोलन की तैयारी में है।

पदोन्नति पर लग रहा ब्रेकः फेडरेशन

फेडरेशन के नेताओं ने कहा कि रिटायर्ड अधिकारियों को संविदा पर रखने से नियमित कर्मचारियों की पदोन्नति प्रभावित हो रही है। वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारी प्रमोशन का इंतजार करते हैं,लेकिन रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति से उन्हें आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल पा रहा है। नेताओं का कहना है कि इस वजह से कर्मचारियों में निराशा और असंतोष बढ़ता जा रहा है।

पारदर्शिता पर भी उठाए सवाल

संघ ने संविदा नियुक्ति प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि प्रक्रिया स्पष्ट और प्रतिस्पर्धात्मक नहीं होगी तो पक्षपात और भ्रष्टाचार की आशंका बढ़ सकती है,जिससे प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल खड़े होंगे।

आधार आधारित अटेंडेंस पर भी नाराजगी

बैठक में आधार बेस्ड अटेंडेंस व्यवस्था का भी विरोध किया गया। चेतावनी दी गई कि यदि इसे समाप्त नहीं किया गया तो सभी प्रांत अध्यक्ष रायपुर में बैठक कर आंदोलन की अंतिम रणनीति तय करेंगे।

दुर्ग गैंगरेप केस...सांसद के पूर्व-पीए समेत 2 आरोपियों का सरेंडर

दुर्ग-भिलाई,13 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में नाबालिग से गैंगरेप के 2 फरार आरोपियों ने कोर्ट पहुंचकर सरेंडर कर दिया है। इनमें एक आरोपी बी एन पांडेय दुर्ग सांसद का पूर्व पीए रहा है। पांडेय ने लड़की को पीडब्ल्यूडी विभाग में नौकरी लगवाने में मदद की थी। पीड़िता से व्हाट्सऐप पर उसके न्यूड वीडियो मंगवाए थे। इसी का डर दिखाकर करीब 7 सालों तक रेप करता रहा। दूसरा आरोपी संजय पंडित है। जिस पर होटल और रेस्ट हाउस प्रबंध करने का आरोप है। इसने नौकरी से निकलवाने का डर दिखाकर लड़की से रेप किया था। दोनों ने 13 फरवरी को कोर्ट पहुंच कर सरेंडर कर दिया है। बता दें कि गैंगरेप की पीड़िता ने महिला थाने में शिकायत दी थी। अब सभी 6 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है।

बढ़ते दबाव के कारण पहुंचे कोर्ट

गैंगरेप के 4 आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणि शंकर चंद्रा ने बताया कि दोनों आरोपी लंबे समय से फरार थे। पुलिस उनकी लगातार तलाश कर रही थी और अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की जा रही थी। पुलिस की सक्रिय कार्रवाई और बढ़ते दबाव के कारण दोनों आरोपियों ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया।

पूछताछ के बाद हर पहलू से होगी जांच

इस मामले के सभी 6 आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में हैं। पुलिस अब कोर्ट से रिमांड लेने की तैयारी कर रही है, ताकि आरोपियों से गहन पूछताछ की जा सके। घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा सके।

वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों के अनुरूप हो सभी गतिविधियों का संचालन : सीएम साय

रायपुर,13 फरवरी 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड की 16वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में बोर्ड की 15वीं बैठक के पालन प्रतिवेदन तथा नवीन एजेंडों पर चर्चा उपरांत प्रस्तावों को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड के निर्णय हेतु प्रेषित करने पर सहमति बनी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वन्यजीव हमारी प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं और उनके संरक्षण-संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए सतत निगरानी,अवैध गतिविधियों पर रोक तथा उनकी सुरक्षा के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही, वनों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाने और युवाओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने न्यूनतम हस्तक्षेप के सिद्धांत को अपनाते हुए अत्यावश्यक कार्यों को ही वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास में बिना किसी छेड़छाड़ के पूर्ण करने पर बल दिया। उन्होंने सह-अस्तित्व के सिद्धांतों के अनुरूप सभी गतिविधियों के संचालन की बात कही। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति के गठन को मंजूरी दी गई। स्थायी समिति का गठन वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में किया जाएगा,जिसमें 11 अन्य सदस्य शामिल होंगे।

उल्लेखनीय है कि वन्य प्राणियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होने वाले कार्यों के प्रस्तावों पर राज्य वन्यजीव बोर्ड का अभिमत अनिवार्य होता है। बोर्ड की बैठकों के बीच अधिक अंतराल के कारण प्रस्तावों की स्वीकृति में विलंब की स्थिति बनती है। स्थायी समिति के गठन से वैधानिक मंजूरियों के त्वरित निपटान तथा वन्यजीव प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के शीघ्र निराकरण में सहायता मिलेगी। बैठक में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व अंतर्गत बरबांधा जलाशय में बांध एवं नहरों के जीर्णोद्धार एवं नवीन कार्य, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत कबीरधाम जिले के कवर्धा वनमंडल में पंडरीपानी मेन रोड से सौरु तक मार्ग मजबूतीकरण, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने से संबंधित 6 प्रस्ताव, सेमरसोत अभ्यारण्य में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में सीआरपीएफ कैंप की स्थापना तथा उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने के प्रस्तावों का अनुमोदन कर उन्हें राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्वीकृति हेतु प्रेषित करने पर सहमति दी गई। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप,विधायक धर्मजीत सिंह, मुख्य सचिव विकास शील, अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्री अरुण कुमार पाण्डेय सहित बोर्ड के अन्य सदस्य एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर निगम की सामान्य सभा में हंगामा....

175 से अधिक बेजा कब्जा हटाने का मुद्दा गरमाया सदन की कार्यवाही ठप,धरने पर बैठे कांग्रेस पार्षद

बिलासपुर,13 फरवरी 2026। नगर पालिक निगम बिलासपुर की सामान्य सभा में जमकर हंगामा हुआ। लिंगियाडीह क्षेत्र में 175 से अधिक बेजा कब्जा हटाए जाने के मामले ने सभा का माहौल गर्म कर दिया। सामान्य सभा के दौरान वार्ड पार्षद दिलीप पाटिल ने लिंगियाडीह के प्रभावित परिवारों का मुद्दा सदन में उठाया। इस पर सत्ता पक्ष के पार्षदों ने विरोध जताया, जिसके चलते दोनों पक्षों में तीखी बहस शुरू हो गई। हंगामा इतना बढ़ गया कि सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए रोकनी पड़ी। मामले को लेकर कांग्रेसी पार्षदों ने लखीराम ऑडिटोरियम के मुख्य गेट पर धरना शुरू कर दिया। लिंगियाडीह के प्रभावित लोग भी बड़ी संख्या में धरने में शामिल हुए। कांग्रेसी भी प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने निगम प्रशासन पर पुनर्वास के वादे से मुकरने का आरोप लगाया। बता दें कि वार्ड क्रमांक 47 के लोग पिछले 84 दिनों से धरने पर बैठे हैं। उनकी मांग है कि जहां से उन्हें हटाया गया है, वहीं पुनर्वास किया जाए।

क्या है मामला : लिंगियाडीह क्षेत्र में हाल ही में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के तहत 175 से अधिक निर्माण हटाए गए थे। प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे वर्षों से वहां रह रहे थे और बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उन्हें बेदखल कर दिया गया। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि कार्रवाई नियमों के तहत की गई है और पुनर्वास को लेकर शासन स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल, नगर पालिक निगम बिलासपुर की सामान्य सभा हंगामे के साये में जारी है और लिंगियाडीह का मुद्दा शहर की राजनीति का केंद्र बन गया है।

अवैध कोयला उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई

60 टन कोयला व मशीन जब्त

रायगढ़,13 फरवरी 2026। जिले में अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ प्रशासन की सख्ती लगातार जारी है। इसी क्रम में खनिज एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए समरसुता नाला के किनारे दबिश देकर लगभग 60 टन अवैध रूप से उत्खनित कोयला तथा एक चैन माउंटेड मशीन जब्त की है। यह कार्रवाई जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में पुलिस बल और ग्रामीणों की उपस्थिति में संपन्न हुई, जिससे क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त तत्वों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, रायगढ़ जिले के समरसुता नाला क्षेत्र में अवैध कोयला उत्खनन की सूचना खनिज एवं वन विभाग को प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए संयुक्त टीम का गठन किया और त्वरित छापामार कार्रवाई की योजना बनाई। टीम ने निर्धारित स्थल पर पहुंचकर जांच की, जहां अवैध रूप से कोयला उत्खनन किए जाने के स्पष्ट प्रमाण मिले। मौके पर बड़ी मात्रा में कोयला संचित पाया गया, जिसे विधिवत जब्त कर लिया गया। वन मंडलाधिकारी धरमजयगढ़ ने बताया कि 2 फरवरी 2026 को प्राप्त सूचना के आधार पर खनिज विभाग, वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने समरसुता नाला क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान पाया गया कि संबंधित स्थल पर बिना वैध अनुमति के कोयला उत्खनन किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान टीम ने एक चैन माउंटेड मशीन जब्त की।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई...हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव,13 फरवरी 2026। राजनांदगांव पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। देशी कट्टा और पिस्टल दिखाकर लोगों को डराने-धमकाने वाले 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 2 देशी कट्टा, 2 पिस्टल और 1 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। इस मामले का खुलासा पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने पुलिस कंट्रोल रूम, राजनांदगांव में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान किया। जानकारी के अनुसार, शहर के पटरी पार क्षेत्र के शंकरपुर वार्ड क्रमांक 9 स्थित कब्रिस्तान के पास गुरुवार को शाम करीब 7 बजे चीखली थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग पिस्तौल व देशी कट्टा लेकर लोगों को लहराकर डरा-धमका रहे हैं। तभी पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से 7 लोगों को हिरासत में लिया। पकड़े गए आरोपियों की तलाशी में पुलिस को दो नग देशी कट्टा, दो नग पिस्टल और एक जिंदा कारतूस मिला है। पुलिस ने आगे बताया कि हिरासत में आए आरोपियों के खिलाफ पूर्व से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सरकारी मक्का प्लांट में भीड़ ने किया हमला...कोंडागांव में दफ्तर-गाड़ियों में तोड़फोड़,फोर्स पर गुलेल से अटैक,कहा- वेस्ट से फसलों को हुआ नुकसान

कोंडागांव,13 फरवरी 2026। कोंडागांव जिले के कोकोड़ी गांव स्थित मां दंतेश्वरी मक्का प्लांट पर 700-800 ग्रामीणों ने हमला कर दिया। लाठी-डंडे और पत्थर लेकर ऑफिस में घुसकर लोगों ने तोड़फोड़ की है। कैंपस में खड़ी कार, ट्रैक्टर सहित कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया है। ग्रामीणों के मुताबिक प्लांट से निकलने वाला वेस्ट खेतों तक पहुंच रहा है, जिससे फसलें खराब हो रही है। कई बार शिकायत के बाद भी एक्शन नहीं लेने पर लोगों का गुस्सा भड़का है। इस हमले में 10 से 20 लाख रुपए तक के नुकसान का अनुमान है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। गुरुवार रात हमले के बाद आज सुबह ग्रामीणों ने फिर प्लांट में घुसने की कोशिश की तो उन्हें खदेड़ा गया है। कांकेर से भी अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। प्लांट के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। गांव में अभी स्थिति तनावपूर्ण है। ग्रामीण अब दूर से फोर्स पर गुलेल से हमला कर रहे हैं। वहीं, प्लांट पहुंचे महाराष्ट्र के एक ड्राइवर ने कहा कि हमले के दौरान उसने जंगल में छिपकर जान बचाई। अपर कलेक्टर कोंडागांव चित्रकांत चार्ली ठाकुर ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की विस्तृत जांच की जाएगी। फिलहाल, ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर संबंधित प्लांट को एहतियातन बंद कर दिया गया है और जांच रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, मां दंतेश्वरी मक्का प्रसंस्करण प्लांट कोकोड़ी गांव में स्थित है। ग्रामीणों का आरोप है कि मक्का प्लांट से निकलने वाला तरल अपशिष्ट (वेस्ट) उनके खेतों तक पहुंच रहा है, जिससे फसलें खराब हो रही हैं। किसानों का कहना है कि वे लंबे समय से प्रशासन को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसी नाराजगी के चलते ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से प्लांट का घेराव कर दिया। रातभर गांव के लोगों ने प्लांट को चारों ओर से घेर रखा था। ग्रामीणों ने बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इस दौरान एक वाहन चालक को अपनी जान बचाने के लिए रातभर जंगल में छिपकर रहना पड़ा।

नए आपराधिक कानूनों के प्रयोग से पुलिस प्रक्रिया हुई तीव्र एवं आसान : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर,13 फरवरी 2026। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने गृह एवं जेल विभाग की उपलब्धियों के संबंध में नया रायपुर स्थित संवाद ऑडिटोरियम में पत्रकारों से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार बनने के साथ ही हम एक नई सोच को लेकर कार्य कर रहे हैं।

राज्य की क्षमता में विस्तार के लिए नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन अन्तर्गत आइसीजेएस के तहत पांचों स्तंभों पुलिस, अभियोजन,फारेंसिक, जेल एवं न्यायालय को एकीकृत करने की प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ राज्य अग्रणी है।

दुर्ग एवं बिलासपुर जिले पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर पांचों पिलर्स को एकीकृत कर एक मॉडल जिले के रूप में उभर कर सामने आये हैं। पहले पुलिस को साक्ष्यों को लेकर कई बार समास्याओं का सामना करना पड़ता था अब ई- साक्ष्य के आने से तुरंत साक्ष्य उपलब्ध हो रहे हैं। जिससे पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ा है।

8 बैंकों के साथ एमओयू कर बिना किसी प्रीमियम के सैलरी अकाउंट पर बीमा सुविधा उपलब्ध कराई : गृह मंत्री शर्मा ने बताया कि पुलिस कार्यों के आधुनिकीकरण के लिए सीसीटीएनएस द्वारा मेडलीपार,ई-साक्ष्य,ई-सम्मन,ऑनलाइन एफआईआर,ई-साइन,ई-कोर्ट,ई-श्रुति के द्वारा कार्यों को त्वरित और आसान बनाया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को न्याय प्राप्ति में आसानी होगी। पुलिस कर्मियों के लिए अब तक किसी प्रकार की बीमा की व्यवस्था नहीं थी, जिस पर ध्यान देते हुए सरकार द्वारा 08 बैंकों के साथ एमओयू कर बिना किसी प्रीमियम के सैलरी अकाउंट पर बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, इसका लाभ छत्तीसगढ़ पुलिस के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्राप्त हो रहा है। यह पुलिस कर्मियों के लिये कल्याणकारी योजनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत अब तक 15 शहीद पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 16 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है।

अवैध प्रवासियों की पहचान कर विशेष टास्क फोर्स का गठन

गृह मंत्री शर्मा ने बताया कि अवैध प्रवासियों पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने बताया कि राज्य में टोल फ्री नम्बर जारी कर अवैध प्रवासियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए अवैध प्रवासियों की पहचान कर विशेष टास्क फोर्स का गठन द्वारा उनकी गिरफ्तारी एवं विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत उन पर कार्रवाई करते हुए 34 लोगों को देश से निष्कासित करने का भी कार्य किया गया है। विचाराधीन लोगों के लिए होल्डिंग सेंटर भी बनाये गए हैं जहां उनकी जांच कर नियमानुसार प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा एंटी टेरीरिस्ट स्क्वाड को भी क्रियाशील करने का कार्य किया है जहां बनने के बाद से अब तक इसमें कोई केस दर्ज नहीं हुआ था वर्ष 2025 में इसके द्वारा पहली बार कार्रवाई की गई थी। उन्होंने बताया कि धर्मांतरण के मामलों पर सरकार विशेष ध्यान देते हुए इन्हें रोकने के लिए संलग्न लोगों पर कार्रवाई कर रही है सरकार बनने के 23 वर्षों में जितने मामले दर्ज हुए थे उससे दोगुने मामले पिछले 2 वर्षों में दर्ज किए गए हैं।

शिकायतों के निराकरण हेतु ऑनलाईन कम्पलेंट मैनेजमेंट पोर्टल का निर्माण

गृह मंत्री ने बताया कि पहले अपराध समीक्षा हाथ से लिखकर उपलब्ध कराया जाता था जो पुलिस विवेचना में देरी होती थी, अब राज्य की अभिनव पहल के रूप में अपराध समीक्षा एप्लीकेशन से पूरे राज्य में दर्ज एफआईआर की निगरानी, समीक्षा एवं विश्लेषण की जा रही है। जहां समय-सीमा में अपराधों का विवेचना के साथ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित रूप इसका पर्यवेक्षण किया जा रहा है जिससे जवाबदेहिता सुनिश्चित हो रही है और हर स्तर पर उसकी निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस मुख्यालय में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण हेतु ऑनलाईन कम्पलेंट मैनेजमेंट पोर्टल का निर्माण किया गया है। पूर्व में शिकायतों को संबंधित जिलों में डाक के माध्यम से प्रेषित किया जाता था और जिलों के द्वारा भी संबंधित शिकायतों का जांच प्रतिवेदन डाक के माध्यम से ही मुख्यालय को प्राप्त होता था। इस पोर्टल के निर्माण से इस प्रक्रिया को ऑनलाईन किया गया है, जिससे संसाधनों व समय की बचत के साथ-साथ शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। शिकायतों के त्वरित निराकरण से पुलिस की छवि में सुधार तथा पीड़ितों को राहत मिल रहा है।

17 किलो गांजे के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

ओडिशा का गांजा लेकर जा रहे थे उत्तर प्रदेश स्टेशन में दौड़ाकर पुलिसकर्मियों ने पकड़ा

रायपुर,13 फरवरी 2026। ओडिशा से गांजा लाकर उसे उत्तर प्रदेश लेकर जा रहे दो अंतरराज्यीय तस्करों ने रायपुर रेलवे स्टेशन में घेराबंदी करके पुलिस ने दबोचा। आरोपियों से 17 किलो गांजा पुलिसकर्मियों ने जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के नाम राघवेन्द्र सिंह और झम्मन सिंह बताया है। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

क्या है पूरा मामला

गुढ़ियारी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 12 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली कि प्लेटफार्म नंबर 7 पर दो तस्कर गांजा लेकर उत्तर प्रदेश जाने की तैयारी कर रहे है। मुखबिर की सूचना पर पुलिसकर्मियों ने आरपीएफ की टीम के साथ मिलकर आरोपियों को घेराबंदी करके पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम राघवेंद्र सिंह (22) निवासी कानपुर देहात और झम्मन सिंह (38) निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश बताया। तलाशी लेने पर उनके बैग से 17 किलो 949 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 9 लाख 27 हजार रुपए आंकी गई है।

नॉर्थ जोन की टीम ने लिया एक्शन

आरोपियों पर कार्रवाई रायपुर नॉर्थ जोन के पुलिस उपायुक्त मयंक गुर्जर के निर्देश पर की गई है। आरोपियों पर केस दर्ज करके उनसे पूछताछ की गई और उनके नेटवर्क में शामिल आरोपियों की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)